दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना
RNI-MPHIN/2013/53761
वर्ष-3, अंक-30
इन्दौर, मंगलवार
27 अक्टूबर 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगर जिले के नलखेड़ा में माँ बगलामुखी भव्य देवी लोक परियोजना का भूमि-पूजन किया

प्रथम चरण में 85.40 करोड़ की लागत के भव्य देवी लोक निर्माण कार्यों की गैती चलाकर की शुरुआत

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सोमवार को आगर जिले के नलखेड़ा में विश्व प्रसिद्ध माँ बगलामुखी मंदिर परिसर में प्रस्तावित भव्य देवी लोक परियोजना का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर प्रथम चरण के निर्माण कार्यों का गैती चलाकर शुभारंभ किया।

माँ बगलामुखी देवी लोक का निर्माण कुल 55 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण में लगभग 85.40 करोड़ रुपये की लागत से भव्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। प्रथम चरण में मुख्य मंदिर का 108 फीट ऊँचा शिखर, 2,800 वर्गमीटर में मंदिर के गर्भगृह एवं ऊपरी संरचना का निर्माण तथा पत्थर की क्लैडिंग, मंदिर कॉरिडोर एवं प्रांगण का



विकास, धार्मिक अनुष्ठानों के लिए 220 यज्ञशालाओं का विकास, 625 वर्गमीटर में गौशाला, वीवीआईपी भवन, 4 भव्य प्रवेश द्वार, संपूर्ण परिसर की बाउंड्री वॉल, चारपहिया वाहन पार्किंग, बस पार्किंग, शौचालय ब्लॉक, लैंडस्केपिंग एवं साइट डेवलपमेंट सहित आंतरिक-बाहरी विद्युत



व्यवस्था, स्पॉट लाइटिंग एवं अग्निशमन व्यवस्था जैसे आधारभूत कार्य सम्मिलित हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नलखेड़ा की माँ बगलामुखी दस महाविद्याओं में से एक हैं और यह स्थान तंत्र साधना एवं आस्था का वैश्विक केंद्र है। देवी लोक के निर्माण से यहाँ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सर्वसुविधायुक्त दर्शन व्यवस्था मिलेगी तथा धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। भूमि-पूजन कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, सांसद श्री रोडमल नागर, विधायक श्री भैरव सिंह बापू, विधायक श्री माधव सिंह मधु गहलोत, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में महाकाल महालोक निर्माण के साथ ही पूरा क्षेत्र बदल रहा है। आगर से सुसनेर झालावाड़ तक का फोरलेन तो बनेगा ही, आमला से नलखेड़ा तक फोरलेन मार्ग निर्माण कार्य का भूमि-पूजन भी आज किया गया है। इससे नलखेड़ा बगलामुखी माता के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मंदिर के समीप ऊँचे और बड़े ब्रिज निर्माण का काम भी आज से शुरू हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में विभिन्न 14 धार्मिक स्थलों पर हजारों करोड़ के विकास एवं निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। यह हमारे लिए आस्था और श्रद्धा का विषय है।

सांसद श्री रोडमल नागर ने अपने स्वागत उद्बोधन में नरखेड़-सुसनेर क्षेत्र में विकास के लिए किए गए कार्यों के बारे में बताया और नलखेड़ा में जनसुविधाओं एवं श्रद्धालुओं के लिए देवी लोक की सौगात मिलने पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी।



नए साल में इंदौर से धार तक रेल मार्ग की सौगात

इंदौर। इंदौर-दाहोद रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है। नए साल में यात्रियों को इंदौर से धार तक रेल मार्ग की सौगात मिल सकती है।

इस ट्रैक पर बनी सुरंग में सोमवार को टावर वेगन चलाकर ट्रायल रन किया गया। तीन हजार मीटर लंबी टनल का काम पूरा हो चुका है और ट्रायल भी सफल रहा।सोमवार रात अफसर टावर वेगन में सवार हुए। इसके बाद वेगन कम गति से टनल के दोनों सिरों के बीच दौड़ी। यह परीक्षण रेलवे ट्रैक की लिंकिंग पूरी होने के बाद किया गया। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि टीही से धार तक लगभग 47 किलोमीटर लंबे रेलखंड में निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

इस रेलखंड में तीन हजार मीटर लंबी टनल भी है। टनल के अंदर बैलास्टलेस ट्रैक का निर्माण पूरा होने के साथ ही विद्युतीकरण और सिग्नलिंग का काम भी हो चुका है। टनल के दोनों सिरों पर टीही और पीथमपुर की ओर रेलवे ट्रैक की लिंकिंग पूरी होने के बाद टावर वेगन को टनल के आर-पार चलाकर निरीक्षण किया गया।

अर्नब आंध्र की ओर बढ़ा ,6 लाख लोगों की शिफ्टिंग

मप्र-उप्र तक होगा असर, बरसात के आसार

हैदराबाद। तूफानी चक्रवात अर्नब ने अब बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश के तट की ओर रुख कर लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 27 अक्टूबर तक तूफान का रूप ले सकता है तथा 28 अक्टूबर की सुबह आंध्रप्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 140 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मप्र में इस चेतावनी के बाद आंध्र प्रदेश में करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी है। तटीय जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी



गई है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में अलर्ट है।

ओडिशा में 60 रेस्क्यू टीमें तैनात की जा रही हैं। छह जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। इस तूफान के असर से मप्र व उप्र में समेत 10 राज्यों में बारिश की भी संभावना है। हालांकि तमिलनाडु में पिछले 3 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। कोडाइकनाल में पर्यटकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है।

अब ऑफलाइन रेल टिकट पर 45 पैसे में 10 लाख का बीमा कवर

भोपाल/नई दिल्ली। आज से भारतीय रेल आरक्षण प्रणाली को ज्यादा यात्री-हितैषी और सुरक्षित बनाते हुए 'वैकल्पिक यात्रा बीमा योजना' का विस्तार कर रही है। अब आरक्षण काउंटरों से आरक्षित टिकट खरीदने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।य ह सुविधा 27 अक्टूबर से सभी पीआरएस काउंटरों पर लागू हो जाएगी। मात्र 45 पैसे में 10 लाख तक का यह व्यापक बीमा कवर अप्रिय परिस्थितियों में यात्रियों और उनके परिवारों को वित्तीय संबल प्रदान करेगा। भोपाल मंडल ने कहा है कि पीआरएस काउंटर से आरक्षित टिकट बनवाते समय यात्री अपना सही मोबाइल नंबर अवश्य दर्ज कराएं और डिजिटल भुगतान कर योजना का लाभ उठाएं।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

अब 100 फीसदी इथेनाल फ्यूल को मंजूरी, नई गाड़ियां उतरेंगी बाजार में

नई दिल्ली। अब देश में 100फीसदी इथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। इस फ्यूल का इस्तेमाल उन स्पेशल व्हीकल्स में ही किया जा सकता है, जो इसके लिए खासतौर पर डिजाइन और सर्टिफाइड किए गए हों। यह फैसला कुछ कार कंपनियों के ई-100 कारों को बाजार में लॉन्च करने से ठीक पहले आया है। सरकार ने इसके लिए सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में बदलाव कर नोटिफिकेशन जारी किया है।

नए नोटिफिकेशन के तहत एमिशन प्रोविजन में ई-85 फ्यूल के साथ अब ई-



100 को भी शामिल कर लिया गया है। एथेनॉल मुख्य रूप से पौधों और बायोलॉजिकल सोर्स जैसे गन्ना और मक्का से तैयार किया जाने वाला एक बायोफ्यूल है। इसमें पेट्रोल की मिलावट नहीं होती। हालांकि मौजूदा माडल्स के कार मालिक अपनी गाड़ी में ई-100 या ई-85 फ्यूल इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे,वजह यह कि अभी ई-20 पेट्रोल या सामान्य पेट्रोल पर चलने वाली गाड़ियां ई-100 या 85 पर नहीं चल सकती हैं।

इस फ्यूल का इस्तेमाल सिर्फ उन्हीं गाड़ियों में हो सकता है जो इसके लिए खास तौर पर डिजाइन और सर्टिफाइड की गई हों। उल्लेखनीय है कि 15 फीसद एथेनाल वाले पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर कुछ महीने पहले देशभर में बहस छिड चुकी है और इसे इंजन के लिये घातक माना गया था, लेकिन यह आशंका पूरी तरह सही साबित नहीं हुई हैं।



उत्तराखंड के मंत्री ने दलेर मेंहदी से मांगी माफी

देहरादून। हाल में उत्तराखंड में मशहूर गायक दलेर मेहंदी की परफॉर्मेंस के दौरान हुए विवाद के बीच कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने माफी मांग ली है। उनियाल ने दलेर से फोन पर बातचीत कर घटना पर अफसोस जताया है। इधर मंत्री की माफी का गायक व दलेर के भाई मीका सिंह ने स्वागत किया है। मीका की ओर से बयान में कहा गया है कि कलाकारों के सम्मान और गरिमा की रक्षा करना जरूरी है,मंत्री ने फोन करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए माफी मांगी। मीका ने कहा कि दलेर मेहंदी संगीत उद्योग के एक वरिष्ठ कलाकार हैं हर कलाकार के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने संवाद के लिए कुर्सी सजाई,छात्रों ने आग लगाई

तिराना। अल्बानिया में सरकार के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन तीखा हो रहा है। गत दिवस छात्रों ने प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों में आग लगा दी। दरअसल प्रधानमंत्री एडी रामा ने छात्रों से बातचीत करने के लिए ये कुर्सियां और पत्थर की एक बड़ी मेज रखवाई थी। कुर्सियों पर 'डायलॉग' यानी बातचीत लिखा था, लेकिन छात्रों ने बातचीत के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। दरअसल तिराना में छात्र और युवा पिछले 13 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। कल प्रदर्शनकारी पहले शिक्षा मंत्रालय के बाहर जुटे। यहां उन्होंने प्रदर्शन किया और इमारत पर पत्थर भी फेंके।

8 साल पुराने मानहानि मामले में राहुल गांधी बरी, कांग्रेस ने कहा-सत्यमेव जयते

सुल्तानपुर। उप्र की सुल्तानपुर स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने आठ साल बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया है। मामला भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों से जुड़ा था, जिसे लेकर एक स्थानीय भाजपा नेता ने मुकदमा दर्ज कराया था। फैसले के दौरान कल राहुल गांधी कोर्ट में मौजूद रहे। गांधी के वकील काशी शुक्ला ने कहा है कि याचिकाकर्ता पीड़ित यानी एग्रीव्ड व्यक्ति नहीं थे, ये इस केस में जीत का बड़ा आधार बना है, राहुल गांधी ने जो कहा था, उसको तोड़ मरोड़कर कोर्ट में पेश किया गया। पार्टी ने इस फैसले के बाद अपने हेंडल पर लिखा-सत्यमेव जयते। इससे पहले जब राहुल के सुल्तानपुर जाते समय काफिले की गाड़ियों की टक्कर हो गई। उप्र के डीजीपी ने इस घटना की जांच के लिये एसआईटी बनाई है।

व्यापारियों से बोले राहुल-मोदी से कि कहिए ज्ञानेश को हटाएं

मानहानि मामले में बरी होने के बाद राहुल गांधी ने रामलीला मैदान की 1 नवंबर को होने वाली रैली पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने व्यापारियों द्वारा रैली के विरोध को लेकर कहा -व्दिली के हर व्यापारी से- हम प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं. मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया. जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं - न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य. मोदी से कहिए - आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।



फायरिंग मामले में हुआ नया खुलासा निशाने पर थे आमिर, मिल गये टाइगर

मुंबई। आठ दिन पहले फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हमले की जांच कर रही पुलिस को सुराग मिला है कि शूटर्स के असल निशाने पर आमिर खान थे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि 20 सितंबर को हरियाणा से मुंबई आए शूटरों ने लॉरेंस गैंग के इशारे पर मुंबई में आमिर के घर की तीन बार रेकी की थी, लेकिन शूटिंग और सुरक्षा के चलते आमिर तक पहुंचना मुश्किल हो रहा था। हालांकि, आमिर खान ज्यादातर समय फिल्मों की शूटिंग के सिलसिले में बाहर रहते थे या कई दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलते थे। दूसरी



तरफ सलमान खान की सुरक्षा को भी यह शूटर्स भेद नहीं पा रहे थे। इसके बाद शूटरों ने आसानी से मिल जाने के कारण टाइगर श्रॉफ को अपना निशाना बना लिया। टाइगर अक्सर जुहू के पार्क में फुटबॉल खेलने जाते थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार लॉरेंस गैंग ने जुलाई में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए आमिर को धमकी दी थी। इस धमकी में आमिर और गौरी स्प्रैट की शादी को सनातन धर्म के खिलाफ बताया गया था और जल्द सबक सिखाने की बात कही गई थी।

राज्यसभा के लिए दक्षिण के नेता को मध्यप्रदेश से भेजेगी भाजपा

भोपाल। मध्यप्रदेश की रिक्त राज्यसभा सीट पर उपचुनाव में यह लगभग तय माना जा रहा है कि भाजपा किसी अन्य राज्य के नेता को यहां से राज्यसभा में भेजेगी। बताया जाता है कि इस सीट से तमिलनाडु भाजपा की नेता वनथी श्रीनिवासन का नाम भी चर्चा में है। हालांकि मप्र में भी कुछ नामों को लेकर मशक्कत व कयासबाजी जारी है। इस मामले में कल सीएम हाउस में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक हुई, बैठक में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया नहीं पहुंचे। वहीं संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और अरविंद सिंह भदौरिया को छोड़कर बाकी नेता बैठक में शामिल हुए। सूत्र बताते हैं कि इसमें राज्यसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश के संभावित नामों पर चर्चा की गई है और इस चर्चा का निष्कर्ष हाईकमान तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिये चार नामों का पैनल बनाकर केंद्र को भेजा जा रहा है।अंतिम फैसला हाईकमान के स्तर पर होगा। पार्टी अगले कुछ दिन में नाम का ऐलान कर देगी हालांकि नामांकन की प्रक्रिया कल शुरू हो गई है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे से यह सीट खाली हुई है। मुरुगन अप्रैल 2024 में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य बने थे। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था, अब उपचुनाव के जरिए नए सदस्य का चयन होगा।

ब्राजील में लूला फिर बने राष्ट्रपति

ट्रंप समर्थक उम्मीदवार को हराया

ब्राजीलिया। ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव में लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने चौथी बार बाजी मार ली है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थक फ्लाविया बोल्सोनारो को हराया है। लूला ने 2022 के चुनाव में फ्लाविया के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को भी हराया था। पहले दौर की वोटिंग में लूला, फ्लाविया बोल्सोनारो से पिछड़ गए थे, लेकिन दूसरे दौर में बाजी पलट दी। फ्लाविया को पहले चरण में 47 फीसद वोट मिले थे। यह पहली बार हुआ, जब पहले राउंड में दूसरे नंबर पर रहने वाला उम्मीदवार आखिरी राउंड में जीतकर राष्ट्रपति बना। लूला 2002 से 2010 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। दो बार लगातार राष्ट्रपति रहने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। लूला का राजनीतिक सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2018 में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था बाद में उनकी सजा रद्द कर दी गई। इसके बाद वे 2022 का चुनाव लड़े और राष्ट्रपति बने।



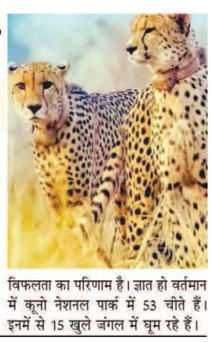
कूनो में चीते की बेरहम पिटाई ,गंभीर घायल

बछड़ों पर हमले से गुस्साए ग्रामीणों का कृत्य

श्योपुर। मप्र के कूनो नेशनल पार्क के एक चीते पर ग्रामीणों ने लाठियों से हमला कर दिया। ग्रामीणों के हमले में चीता गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। चीते द्वारा एक घर में घुसकर बछड़ों के शिकार के बाद चीते पर हमले की घटना हुई है। पार्क प्रबंधन ने हमले की पुष्टि की है और कहा है कि चीते का अभी उपचार चल रहा है। दरअसल एक दिन पहले कूनो नेशनल पार्क के बमोरी गांव में करीब 5 बजे दो चीते गांव के बाहर बने एक मकान में घुसे थे और आंगन में बंधे गाय के दो बछड़ों का शिकार कर लिया था। अंदर खटिया पर सो रहे सोमलावीर सिंह और उनकी पत्नी दहशत के मारे चुपचाप लेटे रहे और मौका मिलते ही जान बचाकर भाग निकले थे।

बाद में सामने आया कि ग्रामीणों ने एकत्र होकर चीतों को जंगल की ओर खदेड़ दिया था लेकिन अब सामनेआया है कि कूनो के एक चीते पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था इससे वह गंभीर रूप से घायल है।

वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे का कहना है कि कूनो के चीतों की ट्रैकिंग होती है तथा वन विभाग की टीम पीछे चलती है। ऐसे में चीते पर ग्रामीणों का हमला गंभीर लापरवाही है। ट्रैकिंग के बावजूद हमला हो जाना सरकारी विफलता का परिणाम है। ज्ञात हो वर्तमान में कूनो नेशनल पार्क में 53 चीते हैं। इनमें से 15 खुले जंगल में घूम रहे हैं।



संपादकीय

मानहानि के मुकदमे में राहुल गांधी बरी, भाजपा की रणनीति पर सवाल

जिसे पप्पू बताकर मजाक उड़ाया, वही मुकाबले में

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए अदालत से राहुल गांधी को मानहानि के मामले में राहत मिलना, भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति पर सवाल खड़े करता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े इस मामले में जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को शिकायत दर्ज कराई थी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए भाषण से जुड़े इस प्रकरण में राहुल गांधी लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। अदालत के फैसले ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मानहानि एवं अन्य मुकदमों का इस्तेमाल, आखिर किस हद तक और कितने समय तक राजनीतिक लाभ दे सकता है? राहुल गांधी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में कई मामले दर्ज हुए। पुणे में सावरकर के परपोते द्वारा दायर मानहानि का मामला भी चर्चित है। राहुल गांधी ने दर्ज मामलों में माफी मांगने के बजाय कानूनी लड़ाई लड़ने का रास्ता चुना। गुजरात की एक अदालत से दो साल की सजा मिलने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई थी।

उन्हें सरकारी बंगला खाली करना पड़ा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक मिलने के बाद उनकी सदस्यता बहाल हुई। इन घटनाओं ने राहुल गांधी को राजनीतिक संघर्ष के लिए नई ताकत दे दी। 2014 से 2019 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर थी। भाजपा ने अच्छे दिन, रोजगार, विकास और बेहतर जीवन के बड़े-बड़े वादे किए। समय के साथ इन वादों के क्रियान्वयन, बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक चुनौतियों को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। दूसरी ओर, राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में संसद से लेकर सड़कों तक सरकार को चुनौती दी जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा और जनहित के मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने उनकी राजनीतिक छवि को पूरी तरह से बदलने का काम किया है। जिस नेता को भाजपा के समर्थक लंबे समय तक पप्पू कहकर उपहास का विषय बनाते रहे, वही अब विपक्ष के प्रमुख चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री मोदी को सशक्त चुनौती दे रहा है। विरोधियों पर लगातार निशाना साधने की रणनीति समय के साथ उलटा असर भी डालती है। मुकदमों और राजनीतिक हमलों के बीच राहुल गांधी की सक्रियता ने उनके समर्थकों के साथ-साथ कुछ अन्य वर्गों में राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति एवं सशक्त नेता की छवि बना दी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देश में बहस चल रही है। इससे लगभग 40 करोड़ मतदाता प्रभावित हुए हैं, जिन्हें मतदाता सूची में नाम बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग के दफ्तर में बार-बार चक्कर काटने पड़े हैं। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, लेकिन प्रक्रिया में पारदर्शिता, दस्तावेजों की जांच और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों ने सरकार भाजपा और चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उनकी लोकप्रियता पर गहरा आघात किया है। युवा पीढ़ी, विशेषकर जेनरेशन जेड, अब राजनीतिक दावों को आंख मूंदकर स्वीकार करने के बजाय सवाल पूछ रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण को पूरी तरह से नकार रही है। रोजगार, शिक्षा, महंगाई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रियता सरकार और भाजपा के लिए नई चुनौती बन गई है।

भाजपा को यह समझना होगा, हर राजनीतिक विवाद को भावनात्मक मुद्दा बनाकर या विरोधियों पर व्यक्तिगत हमले करके हमेशा चुनावी लाभ नहीं पाया जा सकता है। लोकतंत्र में जनता का विश्वास काम, जवाबदेही और विश्वसनीयता से बनता है। जिस दांव से पहलवान एक बार जीतता है, जरूरी नहीं कि हर बार उसी दांव से जीत हासिल हो। सामने वाला पहलवान भी दांव-पेच पहचानकर अपनी रणनीति बदलता है। राहुल गांधी की राजनीतिक चुनौती को केवल उपहास या मुकदमों के नजरिये से देखना भाजपा की बड़ी भूल हो सकती है। बदलते राजनीतिक माहौल में भाजपा को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। अन्यथा, जिस राजनीति से विरोधियों को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, वही राजनीति विपक्ष को मजबूत बना रही है।

राज काज

टेलीविजन और सोशल मीडिया में लोकप्रियता का नशा

इन दिनों सोशल मीडिया और टेलीविजन पर लोकप्रिय का नशा युवाओं के दिलो दिमाग में फैलाया जा रहा है. यह करोड़ों रुपए का नया कारोबार है. सोशल मीडिया में रील और वीडियो के माध्यम से युवाओं में लोकप्रियता का नशा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है. इसी तरह टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफार्म पर युवाओं और बच्चों को सेलिब्रिटी बनाने का शो शुरू कर दिया गया है. बदले में उन्हें कुछ समय के लिए पैसे भी मिल जाते हैं. यह एक ऐसा नशा है, जिसमें बच्चे और युवा पढ़ाई लिखाई छोड़कर लोकप्रियता के नशे में कंटकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं. वह ना यहां के रहते हैं, ना वहां के रहते हैं. पूरी ताकत लगाकर उन्हें पहले तो सेलिब्रिटी बना दिया जाता है. बाद में उन्हें कोई प्लेटफार्म नहीं मिलता!

भारतीयों को ही भारत का दुश्मन बना दिया

सवाल यह है, कितने भारतीयों को भारत का दुश्मन बना दिया है. कॉकरोच के रूप में छात्र, संपूर्ण विपक्ष, सामाजिक संगठन, वकील, किसान, कर्नाटकी आंदोलनकारियों के रूप में सामने हैं. भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन सभी को टुकड़े-टुकड़े गैंग, अर्बन नक्सल और देश विरोधी बता दिया है. भारत के 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम विदेशी बता कर मतदाता सूचियों से काट दिए गए. भारतीयों को ही भारतीय नागरिक नहीं मानकर उन्हें दुश्मन बनाने की राजनीति कौन कर रहा है. इसके लिए कौन जिम्मेदार है. देश में यह बड़ी तेजी से चर्चा का विषय बन रहा है. सरकार भाजपा और संघ को इसका भी जवाब देना चाहिए.।

कॉकरोच का नॉरेटिव किसने बनाया?

भारत के युवाओं को कॉकरोच किसने बनाया है. इसको लेकर अब चर्चा होने लगी है. सुप्रीम कोर्ट के सुरक्ष्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कॉकरोच शब्द इजाद किया था. उसके बाद भारतीय कॉकरोच पार्टी का गठन हुआ. देश में आंदोलन शुरू हुए, जो भय का वातावरण बना हुआ था. देश ने छात्र आंदोलन ने इस भय को खत्म कर दिया. इसके बाद देश में आंदोलन की बाढ़ आ गई है. ऐसा लग रहा है, सरकार के खिलाफ जनता सड़कों पर उतरकर अपनी बात सुखर रूप से कह रही है. भारतीय ही भारतीयों के दुश्मन बने हैं. महिला-छात्रों वकीलों और सामाजिक संगठनों के विरोध में पुलिस जित तरह की सख्ती कर रही है.

न्यायपालिका आंदोलन को दबाने के लिए सरकार का साथ दे रही है. उसको देखकर पिछले 75 वर्षों से भारत के नागरिकों ने स्वतंत्रता के साथ अपनी बात कहने और अधिकारों के साथ रहना सीखा था. अब उसी अधिकार को बचाए रखने के लिए लोग सड़कों पर उतर रहे हैं.

ओबामा भी साध रहे ट्रंप प्रशासन पर निशाना

अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सरगर्मी के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा खोल दिया है। दरअसल ओहायो में ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यंग्य कसा।

शादी से पहले पति-पत्नी के बीच लिखित अनुबंध क्यों नहीं?

संपत्ति, आय, निजता और खर्चों पर आपसी सहमति जरूरी



सलत जैन

कांट्रैक्ट एक्ट और पार्टनरशिप एक्ट की तर्ज पर बने कानूनी ढांचे से अलगाव की स्थिति में अधिकारों और जिम्मेदारियों का हो सके स्पष्ट निर्धारण, भारतीय समाज में विवाह, पारिवारिक संबंधों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा तेजी से बदल रही है। पति-पत्नी दोनों शिक्षित हैं, आत्मनिर्भर हैं और अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ जीवन जीना चाहते हैं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां भी अब केवल पुरुषों तक सीमित नहीं हैं। महिलाएं भी कमाती हैं, संपत्ति अर्जित करती हैं और परिवार चलाने में बराबर की भागीदारी निभाती हैं। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि जब कारोबार में कांट्रैक्ट एक्ट और पार्टनरशिप एक्ट के तहत स्पष्ट शर्तों के साथ लंबे समय तक चलने वाले व्यावसायिक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं, तो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते में आर्थिक जिम्मेदारियों और अधिकारों को लेकर पारदर्शिता क्यों नहीं होनी चाहिए? कोई भी रिश्ता प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी की भावना पर आधारित होता है। लेकिन भावनात्मक प्रतिबद्धता का अर्थ यह नहीं कि आर्थिक मामलों और व्यक्तिगत अपेक्षाओं पर स्पष्ट बातचीत की आवश्यकता ही न हो।

विवाह से पहले अधिकार और जिम्मेदारियां स्पष्ट हों: समय की मांग है कि विवाह से पहले पति-पत्नी आपसी सहमति से अपनी अपेक्षाओं पर चर्चा करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें लिखित रूप दें। यदि संयुक्त परिवार है, तो परिवार की व्यवस्थाओं और संबंधित जिम्मेदारियों पर भी विचार किया जा सकता है। इस समझौते में आय, खर्च, बचत, कर्ज, घरेलू जिम्मेदारियों और भविष्य की आर्थिक योजनाओं को शामिल किया जा सकता है। दोनों की व्यक्तिगत संपत्ति, पुश्तैनी संपत्ति में उनके वैधानिक अधिकार, विवाह के बाद अर्जित संपत्ति और एक-दूसरे के प्रति आर्थिक दायित्वों को लेकर भी स्पष्टता होनी चाहिए। इससे गलतफहमियों, संभावित आर्थिक शोषण और संपत्ति संबंधी विवादों की आशंका कम हो सकती है। रिश्तों में पारदर्शिता बढ़ेगी और एक-दूसरे की अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिलेगा। ऐसा समझौता किसी एक पक्ष को दूसरे पर अधिकार देने का माध्यम नहीं होना चाहिए। इसका उद्देश्य दोनों को समान सुरक्षा देना होना चाहिए। इसमें यह भी स्पष्ट हो कि विवाह के दौरान किसी की स्वतंत्रता, सम्मान और व्यक्तिगत निर्णय लेने के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। जब कोई नया रिश्ता बनता है, तब उसके सामने अनेक संभावनाएं होती हैं। यदि शुरुआत में ही महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यक्तिगत विषयों पर विचार-विमर्श कर लिया जाए, तो भविष्य में विवादों की आशंका कम हो सकती है। इससे दोनों पक्षों को लाभ होगा।

लिव-इन रिलेशनशिप में भी हों स्पष्ट शर्तें: लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ने के साथ रिश्तों में अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर नए सवाल सामने आ रहे हैं। साथ रहने का निर्णय लेने से पहले दोनों पक्षों को आर्थिक और घरेलू व्यवस्थाओं पर चर्चा करने तथा आपसी सहमति को लिखित रूप देने का अवसर मिलना चाहिए। दोनों यह तय कर सकते हैं कि घरेलू खर्च कैसे बांटे जाएंगे, किराया कौन देगा, संयुक्त खरीदारी अपने आप में वैधानिक अधिकारों या कानूनी दायित्वों को समाप्त नहीं कर सकता। इसलिए विवाह-पूर्व समझौतों और लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले साथियों के बीच लिखित सहमति के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा विकसित करने पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। इसके लिए भारतीय संविदा अधिनियम और साझेदारी कानून के प्रावधानों की भी व्यापक समीक्षा की जा सकती है। हालांकि, विवाह को व्यावसायिक साझेदारी के समान नहीं माना जा सकता, क्योंकि दोनों संबंधों की प्रकृति और कानूनी आधार अलग-अलग हैं। एक संतुलित कानूनी व्यवस्था यह स्पष्ट कर सकती है कि आर्थिक समझौतों, भरण-पोषण की जिम्मेदारियों और संयुक्त रूप से अर्जित संपत्ति के बंटवारे के संबंध में पहले से किन शर्तों पर सहमति बनाई जा सकती है।

ऐसे समझौते महिलाओं की गरिमा को कमजोर करने, घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनी सुरक्षा समाप्त करने या बच्चों के वैधानिक अधिकारों से समझौता करने का माध्यम नहीं बनने चाहिए। इसी तरह, किसी आर्थिक रूप से कमजोर साथी को उसके वैध अधिकारों से वंचित करने के लिए भी इनका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उद्देश्य दोनों पक्षों को अधिक स्पष्टता, निष्पक्षता और सुरक्षा प्रदान करना होना चाहिए। आज अनेक युवा विवाह को लेकर आशंकित दिखाई देते हैं। कुछ लोग विवाह को तीस या चालीस वर्ष की उम्र तक टाल देते हैं, जबकि कुछ आर्थिक अनिश्चितता, अपेक्षाओं में असमानता और कानूनी विवादों के डर से दीर्घकालीन संबंध बनाने से बचते हैं। यह एक सामाजिक चिंता है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पारदर्शी और संतुलित कानूनी व्यवस्था इन आशंकाओं को कम करने में मदद कर सकती है, हालांकि विवाह से जुड़ी प्रत्येक समस्या का समाधान केवल समझौते से संभव नहीं है।

रिश्तों की बुनियाद विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता: विवाह कोई व्यावसायिक सौदा नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी है। फिर भी भावनात्मक प्रतिबद्धता और जिम्मेदारियों की स्पष्टता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। चार दशक पहले भारतीय समाज में विवाह को सामान्यतः आजीवन साथ निभाने और बच्चों का पालन-पोषण करने वाले संबंध के रूप में देखा जाता था। पारंपरिक मूल्यों में पति-पत्नी से अपेक्षा की जाती थी कि वे एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखें, अच्छाइयों और कमियों को स्वीकार करें तथा सुख-दुख में साथ खड़े रहें। संयुक्त परिवार की व्यवस्था भी कई बार सहयोग, सुरक्षा और साझा जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती थी। आज सामाजिक संरचना और व्यक्तिगत अपेक्षाओं में व्यापक बदलाव आया है। नई पीढ़ी अपनी स्वतंत्रता, आर्थिक सुरक्षा, व्यक्तिगत निजता और निर्णय लेने की आजादी को अधिक महत्व देती है। अनेक युवा यह स्वीकार नहीं करना चाहते कि विवाह के बाद उन्हें अपनी व्यक्तिगत पहचान या स्वतंत्रता का त्याग करना ही होगा। सात जन्मों तक साथ निभाने की पारंपरिक कल्पना को आज आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं और बदलती अपेक्षाओं की कसौटी पर भी देखा जा रहा है।

अलगाव की स्थिति में दोनों को मिले समान न्याय: जब कोई रिश्ता टूटता है, तो अक्सर आरोप-प्रत्यारोप, संपत्ति विवाद और लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो जाती है। यदि आर्थिक लेन-देन और आपसी सहमति की शर्तें पहले से स्पष्ट न हों, तो विवादों का समाधान और कठिन हो सकता है। पारदर्शी और आपसी सहमति से तैयार लिखित समझौता कुछ विवादों को सुलझाने में मदद कर सकता है। इससे आर्थिक योगदान, संयुक्त संपत्ति और अन्य जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्टता बनी रह सकती है।

सरकार को यह भी विचार करना चाहिए कि क्या मौजूदा कानूनी व्यवस्था ऐसे समझौतों से संबंधित सभी आवश्यक पहलुओं को पर्याप्त रूप से स्पष्ट करती है। भारत में विवाह संबंधी समझौतों की वैधता और प्रवर्तनीयता लागू कानून, समझौते की प्रकृति और परिस्थितियों पर निर्भर करती है। कोई निजी समझौता अत्यधिक सावधानी के साथ किया जाता है। दुनिया की सबसे मजबूत व्यावसायिक स्पिरिट्स की श्रेणी में अमेरिका की एवरक्लियर 190 और गोल्डन ग्रेन 190 भी शामिल हैं, जिनमें लगभग 95 प्रतिशत अल्कोहल होता है। शराब बनाने की प्रक्रिया में, किण्वन के बाद आसवन (डिस्टिलेशन) के जरिए एथेनॉल की सांद्रता बढ़ाई जाती है। हालांकि, एथेनॉल और पानी के मिश्रण की रासायनिक प्रकृति के कारण सामान्य आसवन से लगभग 96 प्रतिशत एथेनॉल की सीमा तक पहुंचने के बाद इसे और अधिक शुद्ध करना मुश्किल हो जाता है।

यही कारण है कि व्यावसायिक रूप से उपलब्ध बेहद मजबूत स्पिरिट्स में अल्कोहल की मात्रा सामान्यतः 95 से 96 प्रतिशत के आसपास ही रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी अधिक अल्कोहल वाली स्पिरिट को सीधे सेवन करने से शरीर में बहुत तेजी से अल्कोहल पहुंचता है, जिससे अल्कोहल विषाक्तता, बेहोशी, सांस लेने में गंभीर परेशानी और जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

सुविचार

मूर्खों से बहस करके कोई भी व्यक्ति, विद्वान नहीं कहला सकता, मूर्ख पर विजय पाने का एकमात्र उपाय यही है कि उसकी ओर ध्यान नहीं दिया जाए।

- संत ज्ञानेश्वर

जो व्यक्ति इंसान की बनाई मूर्ति की पूजा करता है, लेकिन भगवान की बनाई मूर्ति (इंसान) से नफरत करता है, वह भगवान को कभी प्रिय नहीं हो सकता।

- स्वामी ज्योतिर्बिंद

प्रसंगत

रास्ते की रुकावट

विद्यार्थियों की एक टोली पढ़ने के लिए रोजाना अपने गाँव से 6-7 मील दूर दूसरे गाँव जाती थी। एक दिन जाते-जाते अचानक विद्यार्थियों को लगा कि उन में एक विद्यार्थी कम है। ढूँढने पर पता चला कि वह पीछे रह गया है। उसे एक विद्यार्थी ने पुकारा, 'तुम वहाँ क्या कर रहे हो?' उस विद्यार्थी ने वहीं से उत्तर दिया, 'ठहरो, मैं अभी आता हूँ।' यह कह कर उस ने धरती में गड़े एक खूँटे को पकड़ा। जोर से हिलाया, उखाड़ा और एक ओर फेंक दिया फिर टोली में आ मिला। उसके एक साथी ने पूछा, 'तुम ने वह खूँटा क्यों उखाड़ा? इसे तो किसी ने खेत की हद जताने के लिए गाड़ा था।' इस पर विद्यार्थी बोला, 'लेकिन वह बीच रास्ते में गड़ा हुआ था। चलने में रुकावट डालता था। जो खूँटा रास्ते की रुकावट बने, उस खूँटे को उखाड़ फेंकना चाहिए।' वह विद्यार्थी और कोई नहीं, बल्कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल थे।

जरा हटके

पोलैंड की स्पिरिटस रेक्टिफिकोवानी शराब होती है सबसे तेज

पोलैंड में बनने वाली स्पिरिटस रेक्टिफिकोवानी जैसी कुछ स्पिरिट्स दुनिया की सबसे तीव्र व्यावसायिक मादक पेयों में गिनी जाती हैं। इस शराब को सीधे पीना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इसमें लगभग 96 प्रतिशत शुद्ध अल्कोहल होता है, जो सामान्य व्हिस्की या वोडका के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। आमतौर पर बाजार में मिलने वाली बीयर में 4 से 8 प्रतिशत, वाइन में 10 से 15 प्रतिशत और व्हिस्की, रम या वोडका जैसी शराबों में 35 से 45 प्रतिशत अल्कोहल पाया जाता है। इसके विपरीत, स्पिरिटस रेक्टिफिकोवानी का 96 प्रतिशत अल्कोहल स्तर इसे 192 प्रूफ बनाता है, जिसका अर्थ है कि इसके 100 मिलीलीटर पेय में लगभग 96 मिलीलीटर शुद्ध एथेनॉल मौजूद होता है।

यह सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं, बल्कि मुख्य रूप से लिकर बनाने, फलों के स्वाद वाले मादक पेय तैयार करने और विभिन्न अर्क बनाने में इसका उपयोग होता है। इसकी अत्यधिक सांद्रता के कारण इसका उपयोग अत्यधिक सावधानी के साथ किया जाता है। दुनिया की सबसे मजबूत व्यावसायिक स्पिरिट्स की श्रेणी में अमेरिका की एवरक्लियर 190 और गोल्डन ग्रेन 190 भी शामिल हैं, जिनमें लगभग 95 प्रतिशत अल्कोहल होता है। शराब बनाने की प्रक्रिया में, किण्वन के बाद आसवन (डिस्टिलेशन) के जरिए एथेनॉल की सांद्रता बढ़ाई जाती है। हालांकि, एथेनॉल और पानी के मिश्रण की रासायनिक प्रकृति के कारण सामान्य आसवन से लगभग 96 प्रतिशत एथेनॉल की सीमा तक पहुंचने के बाद इसे और अधिक शुद्ध करना मुश्किल हो जाता है।

यही कारण है कि व्यावसायिक रूप से उपलब्ध बेहद मजबूत स्पिरिट्स में अल्कोहल की मात्रा सामान्यतः 95 से 96 प्रतिशत के आसपास ही रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी अधिक अल्कोहल वाली स्पिरिट को सीधे सेवन करने से शरीर में बहुत तेजी से अल्कोहल पहुंचता है, जिससे अल्कोहल विषाक्तता, बेहोशी, सांस लेने में गंभीर परेशानी और जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

व्यंग

असंतुष्ट इज़ बैटर दैन संतुष्ट

अशोक गौतम

वे करते क्या हैं? क्या बताऊँ? बस, इतने भर में सब समझ लीजिए कि इसको उसको मत्थापीर बनाने के लिए असंतुष्टों को संतुष्ट करने का छोटा-मोटा धंधा करते हैं। जनाब की दूसरी ख़ासियत है, जब भी मुझसे बात करने के इच्छुक होते हैं, मुझे मिस्ड कॉल ही देते हैं। उनकी मिस्ड कॉल आते ही मैं समझ जाता हूँ कि जनाब का मन मुझसे बातें करने को हो रहा है।

कल फिर ऐसा ही हुआ। क़ायदे से उनकी परंपरा को बनाए रखने वाली मिस्ड कॉल आई। अब कॉल बैक करने की मेरी बारी थी, सो मैंने उनकी कॉल को सिर माथे लेते बैक किया। कॉल बैक करना मेरा धर्म है तो मिस्ड कॉल देना उनका। सबके अपने अपने धर्म होते हैं। कई बार तो आदमी, आदमी भी नहीं होता, फिर भी उसका कोई न कोई धर्म ज़रूर होता है। वैसे आजकल आदमी आदमीपने से कम, उसके धर्म से अधिक जाना जाता है।

मैंने कॉल बैक की तो वे मुझसे पूछे, 'क्या कर रहे हो?' 'लिखने की तैयारी में कवि केशव की सवारी की दुर्घेष्टा कर रहा हूँ। पर एक ये कवि केशव हैं कि अपनी पीठ पर बैठने देना तो दूर, अपनी पीठ पर हाथ भी नहीं रखने दे रहा।' 'बिकना चाहते हो?' वे सीधे मतलब पर आए। मेरे या अपने, या फिर हम दोनों के। वही जाने। 'बिकते तो राजनीति में हैं। लेखन में तो रचा ही बिक जाए, वही बहुत,' मैंने दुखी मन से कहा तो वे बोले, 'उदास क्यों हो रहे हो? लेखन में राजनीति नहीं होती क्या? अरे पगले! लेखन में उतनी राजनीति होती है जितनी राजनीति राजनीति में भी नहीं होती। ये दूसरी बात है कि वहाँ पर लेखक . . .'

'मतलब' 'परसों अपने सर्व विधा लेखन संघ के चुनाव हो रहे हैं न!'

'हाँ, तो!' 'तो क्या! वे सर्व विधा लेखन संघ के मुखमंत्री होना चाहते हैं।'

'कौन? वही? जिनके साथ हर बार उनकी बीवी का भी वोट नहीं होता।' 'हाँ! वही।' 'पर अबकी बार वे संघ में अपनी मुखमंत्री की कुर्सी को लेकर सौ नहीं, एक सौ दस प्रतिशत आश्वस्त हैं। उनके असंतुष्ट उन्होंने ख़रीद लिए हैं। उनकी दृढ़ इच्छा है कि अबके वे संघ का नेतृत्व कर तमाम साहित्यकारों को नई दिशा दें।' 'पर उनसे तो अब खुद ही नहीं चला जा रहा। सिर से पाँव तक उनको दर्सों रोगों ने घेर रखा है।'

'तो क्या हो गया! जिनसे खुद नहीं चल जाता, लोकतंत्र में वही समाज का कुशल नेतृत्व करने का मादा रखते हैं। लोकतंत्र काम से नहीं, जुबान से चला करते हैं प्यारे!' 'मतलब?'

'वे मिशन जीत पर निकल पड़े हैं।'

'पर तुम तो जानते हो मैं दूसरे धड़े का संतुष्ट हूँ। उनके साथ मेरी आस्थाएँ हैं।

उन्होंने मेरा काव्य संग्रह फरी में भी छपवाया था। ऐसे में अब . . .' 'आस्थाएँ आजकल पार्ट टाइम चल रही हैं दोस्त! अगर उनको वोट दोगे तो किताब की रॉयल्टी भी मिलेगी।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी: अक्षमताओं को क्षमताओं में बदलने की दिशा में एक सार्थक प्रयास

विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपी दिवस विशेष 7 27 अक्टूबर



अक्सर लोग मानते हैं कि ऑक्यूपेशनल थेरेपी केवल ऑटिज्म या विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए होती है, जबकि इसकी भूमिका इससे कहीं अधिक व्यापक है। इसका उद्देश्य बच्चों और वयस्कों को दैनिक जीवन की गतिविधियों अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ करने में सक्षम बनाना है।

इंदौर की ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट डॉ. पूनम पुराणिक अपने पेशेवर अनुभव के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की क्षमताओं को विकसित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही हैं।

डॉ. पूनम ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत एक हृदय से की, जहाँ लगभग 60 बच्चे सेरेब्रल पाल्सी (CP), विकासात्मक विलंब और विभिन्न आनुवंशिक स्थितियों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे थे।

अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने इन बच्चों की शैक्षणिक भागीदारी और दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता विकसित करने पर काम किया। इस प्रयास के दौरान कई बच्चों ने अपनी क्षमताओं के अनुरूप शैक्षणिक और दैनिक जीवन के कौशल में उल्लेखनीय प्रगति की। इस अनुभव ने उनके पेशेवर दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. पूनम के अनुसार, हर बच्चे की क्षमताएँ और जरूरतें अलग होती हैं। ऑक्यूपेशनल थेरेपी का उद्देश्य बच्चे की चुनौतियों को समझते हुए उसकी क्षमताओं को विकसित करना और उसे रोजमर्रा के कार्यों में अधिक स्वतंत्र बनने में सहायता देना है।

ऑटिज्म, ADHD, सेरेब्रल पाल्सी, विकासात्मक विलंब और कुछ आनुवंशिक स्थितियों वाले बच्चों को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार खेलना, लिखना, कपड़े पहनना, भोजन करना और अन्य दैनिक गतिविधियाँ सीखने में सहायता मिल सकती है। सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और परिवार के सहयोग से बच्चों को अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने के अवसर मिलते हैं।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी केवल बच्चों तक सीमित नहीं है। स्ट्रोक, अल्जाइमर, गठिया और अन्य न्यूरोलॉजिकल या शारीरिक स्थितियों के कारण वयस्कों एवं बुजुर्गों की दैनिक गतिविधियाँ प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे मामलों में ऑक्यूपेशनल थेरेपी उपलब्ध क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने, कार्यक्षमता बढ़ाने और रोजमर्रा के कामों में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

Ssamagra Occupational Therapy Centre, इंदौर के माध्यम से डॉ. पूनम पुराणिक व्यक्ति-केंद्रित थेरेपी और परिवार की भागीदारी को महत्वपूर्ण मानती हैं।

उनका दृष्टिकोण इस बात पर केंद्रित है कि थेरेपी केवल सत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चे या वयस्क को घर, स्कूल और दैनिक जीवन में भी अधिक सक्षम बनने में सहायता मिले।

विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपी दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी व्यक्ति की चुनौतियाँ ही उसकी पहचान नहीं हैं। सही सहयोग, उपयुक्त थेरेपी और निरंतर प्रयासों से उसकी क्षमताओं को विकसित करने तथा उसे अधिक आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ने में सहायता मिल सकती है।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाएँ, क्षमताओं को पहचानें और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाएँ।

न्यूज ब्रीफ

युवक को तलवार मारी

इंदौर। फरियादी दिनेश पिता मदनलाल प्रजापत निवासी कुंदन नगर ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले विजय प्रताप उमाकांत राठौर ने पुराने विवाद को लेकर तलवार मार दी जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गिरने से मजदूर गंभीर

इंदौर। बिचोली एफसी रोड पर एक निर्माणधीन बिल्डिंग में काम करने के दौरान मजदूर सुरेश पिता राम नारायण वर्मा गिर गया जिसे साथी मजदूरों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति सास पर केस दर्ज

इंदौर। फरियादी उषा चौहान 30 साल निवासी एमआईजी ने पुलिस को बताया कि उसे मायके से दहेज लाने को लेकर पति राजेश चौहान सास रेखा चौहान ने प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की धाराओं में प्रकरण दरजी किया है।

चालक को चाकू मारा

इंदौर। फरियादी कैलाश पिता ओमप्रकाश चौधरी निवासी नौलखा ने पुलिस को बताया की सवारी बैठाने की बात को लेकर ई रिक्शा चालक महेश पिता बाबूलाल यादव ने चाकू मार दिया जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हंगामा करते आठ धराए

इंदौर। तुकोगंज पुलिस ने बीच रोड पर झगड़ा करते हुए विनोद पिता बंसीलाल सोलंकी अजय पिता लक्ष्मी नारायण वर्मा कमलेश पिता गेंदालाल पाल योगेश यादव को पकड़ा। इसी प्रकार परदेसी पुरा पुलिस ने चार लोगों को हंगामा करते हुए पकड़ा। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार की टक्कर से दो घायल

इंदौर। पिपलियाना चौराहे पर बाइक सवार धर्मेंद्र पिता केदार सूर्यवंशी और गोपाल पिता मोहनलाल सोलंकी को रफ्तार में दौड़ रही कार ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा पीते धराए

इंदौर। जूनी इंदौर पुलिस ने गांजा पीते हुए अशोक पिता जगदीश चौहान पवन पिता दयाल पवार नितिन पिता रमेश चंद्र चौधरी और जितेंद्र पिता विष्णु कौशल को पकड़ा। इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

व्यापारी को धमकाया

इंदौर। महारानी रोड पर इलेक्ट्रिक का व्यवसाय करने वाले आनंद पिता कृष्ण दास मंगवानी ने पुलिस को बताया कि राजू मालवीय ने 500 रुपए मांगे देने से इनकार किया तो उसने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किशोरी से की हरकत

इंदौर। श्री राम नगर अन्नपूर्णा क्षेत्र में रहने वाली किशोरी के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई। किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राहुल पिता हरीश सोनी के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है।

गांजा सहित दो बंदी

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार शुभम पिता हेमंत जयसवाल और राजेश पिता बसंत साहू को पकड़ा। इनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

चाकू सहित चार बंदी

इंदौर। एरोड्रम पुलिस ने श्याम पिता सोहनलाल यादव और दिलीप पिता विष्णु पवार को पकड़ा इनके पास से दो चाकू जप्त किया। इसी प्रकार पुलिस गांधीनगर ने मुकेश रघुवंशी और उदय गुर्जर को पकड़ा। इनके पास से भी दो चाकू बरामद किए। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

नाबालिक लापता

इंदौर। भगत सिंह नगर में रहने वाले कमल पिता मोहनलाल यादव ने पुलिस को बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटा पंकज परिजन को बिना बताए घर से कहीं चला गया। परिजन ने उसे रिश्तेदार और अन्य जगह तलाश आप मगर उसका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

बाइक में की तोड़फोड़

इंदौर। फरियादी शैलेंद्र पिता कृष्ण कुमार शर्मा निवासी स्कीम नंबर 51 की घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल में देर रात अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ की पुलिस ने केस दर्जकिया।

गुंडे से देसी कट्टा मिला

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दिलीप उर्फ कैलाश पिता शिवनारायण वर्मा निवासी भागीरथपुरा को पकड़ा तलाशी लेने पर देसी कट्टा और कारतूस बरामद किया है आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महर्षि भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर दूध अभिषेक एवं महाआरती का भव्य आयोजन

इंदौर।

महर्षि भगवान वाल्मीकि जी के पावन प्रकटोत्सव पर्व पर वीर योगा देव जी के पंढरीनाथ स्थित मंदिर में भगवान वाल्मीकि जी का दूध अभिषेक एवं भव्य महाआरती का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।





इस के विधायक महेंद्र हार्डिया जी महापौर श्री पुष्य मित्र भार्गवजी नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा जी,द्वद्द सदस्य श्री नंदकिशोर पहाड़िया जी नगर अध्यक्ष अ जा मोर्चा श्री भूपेंद्र चौहान जी नानूराम कुमावत जी एवं पूर्व नगर अध्यक्ष श्री बालकिशन करोसिया जी श्री बाबूलाल सिरसिया जी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में अनुसूचित जाति मोर्चा नगर उपाध्यक्ष एडवोकेट विवेक जटाशंकर करोसिया, आईटी सेल श्री सिद्धार्थ चौहान जी, लाभार्थी प्रभारी श्री गोकुल करोड़े जी एवं नगर कार्यकारिणी सदस्य श्री आदर्श नकवाल जी ने कहा कि महर्षि भगवान वाल्मीकि जी का जीवन समाज को सत्य, धर्म, ज्ञान, समानता एवं सद्भावना का संदेश देता है।

उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में एकता और समरसता को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में नगर महामंत्री श्री भरत खस जी श्री नितेश खांडेकर जी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने भगवान वाल्मीकि जी के चरणों में शीश नवाकर समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर समाजजनों ने अच्छी बारिश की भी कामना की।

त्योहार पर राजबाड़ा बेहाल, निगम और ट्रैफिक पुलिस के बीच तालमेल गायब

इंदौर।

दीपावली और आगामी त्योहारों की आहट के साथ ही शहर का दिल कहे जाने वाले राजबाड़ा और मध्य क्षेत्र के प्रमुख व्यावसायिक बाजारों में अव्यवस्था का बोलबाला है। त्योहारों की भारी भीड़ के बीच यातायात व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। सड़कों और फुटपाथों पर लगातार बढ़ रहे अस्थायी अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और प्रशासनिक कार्यवाही के कारण बाजारों में दिनभर चक्काजाम की स्थिति बनी हुई है। इसका सीधा और बड़ा असर व्यापार पर पड़ रहा है, क्योंकि ट्रैफिक में फंसकर ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

हालात स्पष्ट रूप से बयान कर रहे हैं कि नगर निगम और शहर की यातायात पुलिस के बीच कोई पूर्व-नियोजित तालमेल या समन्वय नहीं है। दोनों ही विभाग व्यवस्था बनाने के बजाय अपनी-अपनी प्राथमिकताओं तक सीमित नजर आ रहे हैं, जिसका खामियाजा शहर के व्यापारी और आम नागरिक भुगत रहे हैं। राजबाड़ा, एमजी रोड, मारोठिया, खजूरी बाजार और आसपास के व्यावसायिक क्षेत्रों में त्योहारों पर भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। परंतु, इस संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए किसी प्रभावी कार्ययोजना का लागू न होना सबसे बड़ी नाकामी साबित हो रहा है।

एक तरफ ट्रैफिक पुलिस वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने में खुद को असहाय पा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ नगर निगम का रीमूवल अमला फुटपाथों और मुख्य सड़कों पर लग रही अस्थायी दुकानों तथा ठेलों को रोकने में नाकाम रहा है। सड़क की उपलब्ध चौड़ाई आधी से भी कम रह गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अमला और ट्रैफिक पुलिस एक साथ मिलकर संयुक्त रूप से मैदान में नहीं उतरेंगे, तब तक जाम की इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

व्यापारियों पर दोहरी मार, आम जनता भी परेशान

वर्षभर त्योहारों की सीजनल बिक्री का इंतजार करने वाले स्थायी दुकानदारों के सामने अब बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने त्योहारी मांग को देखते हुए दुकानों में माल तो भर लिया है, लेकिन ग्राहक बाजार में घुसने की हिम्मत ही नहीं जुटा पा रहे हैं।

इसके अलावा, बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाली महिलाओं, बुजुर्गों और पैदल चलने वाले राहगीरों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। फुटपाथों पर कब्जा होने के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर चलती गाड़ियों के बीच सड़कों पर चलना पड़ रहा है। राजबाड़ा और मध्य क्षेत्र की व्यापारिक चमक बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को तत्काल एक %संयुक्त कार्ययोजना% लागू करने की सख्त जरूरत है।

इन प्रमुख बिंदुओं पर तुरंत काम करने की आवश्यकता है- हॉकर जोन का निर्धारण- मुख्य मार्गों से अस्थायी कारोबारियों को हटाकर उनके लिए पास ही कोई वैकल्पिक हॉकर जोन घोषित किया जाए।

सड़क और फुटपाथ पर कब्जों से चक्काजाम जैसे हालात; ग्राहकों का बाजार पहुंचना मुश्किल

फुटपाथों की मुस्तैदी से खाली करवाहट- पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी प्रमुख बाजारों के फुटपाथों को सख्त कार्रवाई कर अतिक्रमण मुक्त रखा जाए।

नियमित निगरानी टीम पीक आवर्स (व्यस्त समय) में निगम और पुलिस का संयुक्त दस्ता लगातार गश्त करे। पार्किंग व्यवस्था का सख्त पालन- पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ पॉइंट निर्धारित हों तथा नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर त्वरित कार्रवाई की जाए।

ताजमहल जरूरी है

त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ का होना शहर की आर्थिक जीवंतता और व्यापारिक रौनक का प्रतीक है। लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण उस भीड़ का अव्यवस्था और जाम में बदल जाना इंदौर जैसे स्वच्छ और व्यवस्थित शहर के लिए चिंता का विषय है। नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को तुरंत अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए आपसी तालमेल बनाना होगा, ताकि ग्राहक सुरक्षित रूप से बाजार पहुंच सकें और व्यापार फल-फूल सके।

इवेंट कारोबारी की लापरवाही से दादा पोते घायल, केस दर्ज

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नंदा नगर इलाके में लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक इवेंट व्यवसायी की भारी लापरवाही के चलते घर के बाहर खड़े दादा और मासूम पोता आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। गनीमत रही कि इस दर्दनाक हादसे में कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई, लेकिन दोनों घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लापरवाही की एक ऐसी दास्तान, जिसने सहमा दिया यह पूरी घटना रविवार दोपहर करीब 1ः10 बजे की है, जब नंदा नगर क्षेत्र में एक मामूली सी लापरवाही ने बड़े खतरे का रूप ले लिया। फरियादी रमेश चंद्र पिता कन्हैया लाल जायसवाल ने परदेशीपुरा थाने में अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि रविवार का दिन उनके परिवार के लिए किसी डरावने सपने जैसा बन गया।

रमेश चंद्र अपने 12 वर्षीय पोते रुद्र को जिद पूरी करने और उसे एक नई फुटबॉल दिलाने के लिए घर से निकले थे। वे दोनों अभी अपने घर के पास ही पहुंचे थे कि अचानक पड़ोसी की लापरवाही के कारण आसमान से आफत जैसी चिंगारियां बरस पड़ीं।

फरियादी रमेश चंद्र के मुताबिक, उनके पड़ोस में ही तुषार पिता विजय कोहली नाम का युवक रहता है जो इवेंट का काम संभालता है। रविवार को तुषार कोई भारी मशीन अपने घर के पास लेकर आया था और उसे बेहद लापरवाही से संचालित कर रहा था। मशीन के इस्तेमाल के दौरान जरूरी सुरक्षा मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। काम करने के दौरान मशीन से अचानक आग की तेज और खतरनाक चिंगारियां बेकाबू होकर बाहर निकलने लगीं।

विसर्जन के बाद पिकअप पलटने से युवक की मौत, करंट लगने से युवक की मौत

इंदौर। शहर और आसपास के क्षेत्रों में रविवार को अलग-अलग हादसों में दो परिवारों के चिराग बुझ गए। पहली घटना मानपुर थाना क्षेत्र की है, जहाँ देवी माता की प्रतिमा का विसर्जन कर लौट रहे युवकों का लोडिंग वाहन चालक की लापरवाही से अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि उसके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना शिप्रा थाना क्षेत्र के मांगलिया की है, जहाँ ठेकेदार की अनदेखी के चलते बिजली के पोल पर काम कर रहा एक युवक हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। दोनों ही मामलों में संबंधित पुलिस थानों ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भावना नगर में उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब माताजी की प्रतिमा विसर्जन के लिए गए संदीप पिता संतोष (27 वर्ष) की सड़क हादसे में मौत की खबर आई। संदीप अपने तीन अन्य साथियों के साथ देवी प्रतिमा विसर्जन के लिए मानपुर थाना क्षेत्र गया हुआ था। भक्तिभाव से विसर्जन संपन्न करने के बाद सभी साथी लोडिंग वाहन से वापस इंदौर लौट रहे थे। इसी दौरान मानपुर के पास लोडिंग वाहन के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण गाड़ी अचानक असंतुलित होकर सड़क पर ही पलट गई।

गाड़ी पलटने से उसमें सवार चारों युवक वाहन के नीचे दब गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद राहगीरों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दबे हुए युवकों को बाहर निकाला और तुरंत एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। हालांकि, अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद संदीप को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल तीन अन्य युवकों का उपचार जारी है। मानपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

बैंक का मिनी स्टेटमेंट देखते ही उड़े होशः ठगों ने खाते से उड़ाए एक लाख रुपये

इंदौर।

साइबर ठगों का जाल शहर में लगातार फैलता जा रहा है। ताजा मामला रावजी बाजार थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक युवक के बैंक खाते से ऑनलाइन धोखाधड़ी कर करीब एक लाख रुपये पार कर दिए गए। पीड़ित को इस ठगी की जानकारी तब हुई जब उसने बैंक जाकर मिनी स्टेटमेंट निकलवाया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रावजी बाजार थाना क्षेत्र के प्रकाश का बगीचा में रहने वाले मोहम्मद इमरान (35) पिता मोहम्मद यूसुफ के साथ यह ऑनलाइन ठगी की घटना हुई है। रु फरियादी मोहम्मद इमरान किसी काम से 15 सितंबर को बैंक गए थे। बैंक पहुंचने पर उन्होंने अपने खाते का मिनी स्टेटमेंट निकलवाया, जिसे देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

स्टेटमेंट में दो संदिग्ध ट्रांजैक्शन नजर आए, जिसके जरिए शातिर साइबर अपराधियों ने उनके बैंक खाते से चुपके से 99,999 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर निकाले थे। खाते से इतनी बड़ी रकम कटने की जानकारी मिलते ही उनके होश उड़ गए। घटना के बाद पीड़ित ने तुरंत मामले की शिकायत पुलिस से की। रावजी बाजार थाना पुलिस ने फरियादी की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी (भ्रष्टाचार और आईटी से जुड़े प्रावधानों व संबंधित धाराओं) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अब उन बैंक खातों और ट्रांजैक्शन आईडी की जांच कर रही है, जिनमें यह रकम ट्रांसफर की गई है, ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। सुरक्षा सलाह किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना बैंक खाता विवरण, ओटीपी, यूपीआई पिन या पासवर्ड साझा न करें। समय-समय पर अपने बैंक खातों के ट्रांजैक्शन चेक करते रहें और मोबाइल पर आने वाले बैंक अलर्ट्स पर नजर रखें। यदि आपके साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या फ्रॉड होता है, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

शराब के नशे में मौत बनकर सड़क पर दौड़ रहा था भारी वाहन.. पुलिस ने की कार्रवाई

इंदौर। सड़क सुरक्षा को ताक पर रखकर नशे की हालत में भारी वाहन चलाना अब चालकों को भारी पड़ने लगा है। पुलिस कमिश्नर प्रणाली के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने नशेड़ी ड्राइवरों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी अभियान के तहत बापट चौराहे पर एक ट्रक ड्राइवर को शराब के नशे में धुत होकर ट्रक चलाते हुए पकड़ा गया, जिससे एक बड़ा हादसा होते टल गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल भारी वाहन का चालान बनाया, बल्कि ट्रक को जब्त कर हीरानगर थाने में खड़ा करवा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इंदौर में गुजरात पुलिस का बड़ा एक्शन

सायबर ठगी मामले में निपानिया का शातिर आरोपी गिरफ्तार

फर्जी सिम और म्यूल खातों से जुड़ा है तार

इंदौर। लसुड़िया क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए सायबर ठगी के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुजरात पुलिस और लसुड़िया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। आरोपी लंबे समय से फरार था और सायबर धोखाधड़ी के नेटवर्क में सक्रिय रूप से शामिल बताया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला गुजरात के सूरत ग्रामीण जिले के थाना कडोदरा से जुड़ा है। इससे पहले कडोदरा पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से बड़ी संख्या में फर्जी सिम कार्ड और म्यूल बैंक अकाउंट जब्त किए गए थे। जांच में यह बात सामने आई थी कि ये बैंक खाते और सिम कार्ड लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी करने और अवैध रकम ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे।

मुख्य आरोपी से पूछताछ और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर इस ठगी रैकेट में संलिप्त अन्य फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई थी। इसी कड़ी में थाना कडोदरा (सूरत ग्रामीण) की एक विशेष पुलिस टीम—जिसमें पीएसआई डी.के. चौधरी, हेड कांस्टेबल विजय (672) और पुलिस कांस्टेबल भौतिक (742) शामिल थे—इंदौर पहुंची। लसुड़िया पुलिस से संपर्क कर दोनों विभागों ने एक संयुक्त दल का गठन किया। पुख्ता सूचना और तकनीकी मदद के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर फरार आरोपी मयंक (25 वर्ष, पिता ओमप्रकाश जैन, निवासी अमृत पैलेस, निपानिया को धर दबोचा।

आगे की कार्रवाई

लसुड़िया पुलिस की मदद से हिरासत में लिए गए आरोपी मयंक जैन से शुरुआती पूछताछ के बाद, गुजरात पुलिस ने उसे अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड या अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना कडोदरा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां उससे सायबर ठगी के इस बड़े नेटवर्क और उसके अन्य साथियों के बारे में गहराई से पूछताछ की जाएगी। इस सफल कार्रवाई से उम्मीद जताई जा रही है कि सायबर ठगी के इस अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े कई और राज खुल सकते हैं।

2.20 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

इंदौर।

हत्या-हफ्तवसूली जैसे 6 गंभीर मामले हैं दर्ज



शहर में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध एमडी ड्रग्स और तस्करी में इस्तेमाल होने वाली मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है, जिस पर हत्या और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों सहित कुल 6 प्रकरण दर्ज हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश और पतारसी कर रही थी। इसी दौरान किला मैदान रोड के पास एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर संदिग्ध अवस्था में बैठा हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम श्याम बैरागी 46 वर्ष निवासी छत्रीपुरा बताया।

पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल में रखे बैग की तलाशी ली, तो उसके पास से 12.26 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने ड्रग्स और मोटरसाइकिल समेत 2 लाख 20 हजार रुपए का मसरूका जब्त कर लिया है। आरोपी श्याम बैरागी कोई आम तस्कर नहीं, बल्कि एक शातिर अपराधी है, जो पहले भी कई गंभीर वारदातों में संलिप्त रहा है।

ट्रक ने महिला और उसके 1 माह के बेटे को कुचला,मौत

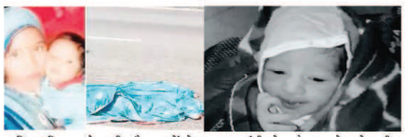
पति गंभीर, 2 साल की बेटी उछलकर दूर गिरी, टीका लगवाने जा रहा था परिवार

रतलाम।

रतलाम में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी और एक महीने के बेटे की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल है। गनीमत रही कि बाइक पर सवार 2 साल की बच्ची दूर जा गिरी, जिससे उसकी जान बच गई।

बताया जा रहा है कि दंपती अपने एक महीने के बेटे को टीका लगवाने नामली लेकर आ रहे थे। इसी दौरान फोरलेन पर कृषि उपज मंडी के गेट के सामने ट्रक की चपेट में आ गए। मृतक महिला की पहचान 25 साल के सुगन और उसके बेटे हर्षित के रूप में हुई है।

परिजनों के मुताबिक, अनिल की पत्नी सुगन (25) ने एक महीने पहले बेटे को जन्म दिया था। इसी सिलसिले में मंदसौर के लामगरी गांव निवासी



अनिल रविवार को पत्नी और बच्चों से मिलने अपने ससुराल बड़ौदा गांव आया था।

बेटे को एक महीने का टीका लगवाना था। इसके लिए सोमवार सुबह 11:30 बजे अनिल अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ बाइक से नामली स्वास्थ्य केंद्र के लिए निकला था। करीब 15 मिनट बाद ही परिवार हादसे का शिकार हो गया।

बताया जा रहा है कि जावरा-रतलाम मार्ग पर नामली से पहले कृषि उपज मंडी गेट के सामने बने स्पीड ब्रेकर पर अनिल ने बाइक धीमी की। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से अनिल और उसकी 2 साल की बेटी अर्चना सड़क किनारे जा गिरे, जबकि सुगन और एक महीने का बेटा हर्षित ट्रक के पहियों की चपेट में आ गए। ट्रक दोनों को कुचलता हुआ निकल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल अनिल को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पत्नी और बेटे के शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज लाए गए।

हादसे में 2 साल की बेटी अर्चना की जान बच गई। उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई है। मेडिकल कॉलेज में वह अपनी नानी की गोद में बैठी रही। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

अनिल ने बताया कि उसने स्पीड ब्रेकर पार करने के बाद बाइक धीमी की थी। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह एक तरफ गिर गया, जबकि पत्नी और बेटा सड़क की तरफ गिर गए। बेटी अर्चना बाइक के आगे बैठी थी।

डॉ. राहुल जैन भाजपा की लोकतंत्र बचाओ टोली के संयोजक मनोनीत

आगर मालवा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान के संचालन के लिए भाजपा जिला स्तरीय अभियान टोली का गठन किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने जिला उपाध्यक्ष डॉ. राहुल जैन को अभियान का संयोजक मनोनीत किया है। टोली में जिला मंत्री प्रेम यादव, पवन वेदिया, केशरबाई चौहान, कविता शर्मा और वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश राठौर को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक व्यवस्थाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

कलेक्टर से शिकायत करने पैदल चले स्टूडेंट्स

बोले- शिक्षक समय पर नहीं आते, हॉस्टल में भी गंदगी



रतलाम।

रतलाम के सैलाना स्थित एकलव्य मॉडल स्कूल के विद्यार्थी स्कूल और हॉस्टल की समस्याओं को लेकर 20 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे।

उनका आरोप है कि शिक्षक समय पर नहीं आते, पढ़ाई प्रभावित होती है और साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं है। विद्यार्थी कलेक्टर से मिलने की मांग पर अड़े रहे।

विद्यार्थियों ने अपनी शिकायतें लिखित में अधिकारियों को दीं। जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त डॉ. प्रियंका राय ने उनके साथ स्कूल जाकर समस्याओं की जांच करने की बात कही। उन्होंने स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच कम्युनिकेशन गैप होने की संभावना भी जताई। विद्यार्थियों के पैदल रतलाम आने की जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी रास्ते में पहुंचे।

विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

देवास।

विद्या भारती मध्य क्षेत्र द्वारा आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान मेला-2026 का समापन समारोह सरस्वती शिशु मंदिर, विजयनगर, देवास में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

मेले में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, प्रयोगशीलता, तार्किक चिंतन और नवाचार कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मालवा के प्रादेशिक सचिव गोपाल काकाणी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में विद्यालय संचालन समिति, विजयनगर, देवास की कोषाध्यक्ष वैशाली आप्टे तथा समारोह की अध्यक्षता विद्या भारती मालवा के प्रांत प्रमुख पंकज पवार ने की। इस अवसर पर मध्य



क्षेत्र संयोजक संजय मकराडिया और सह संयोजक राघवेंद्र देराश्री भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विज्ञान क्षेत्र संयोजक, मध्य क्षेत्र संजय मकराडिया ने क्षेत्रीय विज्ञान मेले का वृत्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

उन्होंने मेले की गतिविधियों और विद्यार्थियों की सहभागिता से संबंधित जानकारी दी। समापन समारोह में मालवा, मध्य भारत, महाकौशल और छत्तीसगढ़ प्रांत से आए प्रतिभागियों के साथ विभिन्न प्रांतों के विज्ञान संयोजक, सह संयोजक तथा प्राचार्य महेंद्रपाल सिंह सिसोदिया भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन मालवा के सह संयोजक महेश पाटीदार ने किया। अंत में राघवेंद्र देराश्री ने आभार व्यक्त किया।

सीएम बोले-सिंहस्थ 2028 से पहले बनेगा मां बगलामुखी देवी लोक

भूमि पूजन : 85.40 करोड़ से पहला चरण मंदिर तक बनेगा नया बायपास

आगर मालवा।

आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में मां बगलामुखी देवी लोक के निर्माण की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को 85 करोड़ 40 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। देवी लोक में 108 फीट ऊंचा मंदिर शिखर, 220 यज्ञशालाएं, चार भव्य प्रवेश द्वार, गौशाला और वीवीआईपी भवन बनाया जाएगा। लखुंदर नदी के किनारे घाट और श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए धर्मशालाएं भी विकसित की जाएंगी। सरकार की तैयारी सिंहस्थ 2028 से पहले इस धार्मिक स्थल को भव्य स्वरूप देने की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर के रास्ते में जिस पुलिया पर दुर्घटना हुई थी, उसे नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके लिए मार्ग को पर्याप्त चौड़ा किया जाएगा, ताकि भविष्य में श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। मंदिर तक आने-जाने के लिए नए फोरलेन मार्ग का भूमिपूजन भी किया गया है। इसके अलावा मां बगलामुखी धाम तक पहुंच आसान बनाने के लिए नया बायपास बनाया जा रहा है। सीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने लखुंदर नदी के किनारे घाट बनाने और धर्मशालाओं में ठहरने की व्यवस्था विकसित करने की बात भी कही।

अजमीढ़ जयंती पर निकला चल समारोह

आगर मालवा। आगर मालवा में मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज ने सोमवार को आराध्य देव अजमीढ़ जी की जन्म जयंती मनाई। इस अवसर पर लोहार दरवाजा स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में सुबह 11 बजे महाआरती की गई। इसके बाद बैंड-बाजे के साथ चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में पुरुष सफेद वस्त्र पहनकर शामिल हुए। रथ में अजमीढ़ जी का चित्र विराजित किया गया। शोभायात्रा में महिलाएं और युवतियां भी शामिल हुईं। अजमीढ़ जी के चित्र की पूजा-अर्चना कर श्रद्धा व्यक्त की।

»न्यूज ब्रीफ

दमा एवं श्वांस की दिव्य औषधि का लाभ

देवास। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आरोग्य पॉलीविलिनिक द्वारा जैन मिलन के सहयोग से दमा, श्वांस एवं एलर्जी की दिव्य औषधि का निशुल्क वितरण 25 अक्टूबर को खीर के साथ रात्रि 11 बजे से स्थानीय मैनाश्री कामप्लेक्स एबी रोड पर किया। इसका एक हजार से अधिक लोगो ने लाभ लिया,शिविर संयोजक डॉ प्रमोद जैन ने बताया कि देवास के आसपास के क्षेत्र के अलावा यह दवा प्रतिवर्ष उज्जैन, ग्वालियर, पूना,बैंगलोर, दिल्ली,गुडगांव आदि जगहों तक देवास में रहने वाले लोग अपने परिजनो, मित्रो को शरद पूर्णिमा के पहले ही ले कर भेज देते है। जिससे कि वह इस दवा का लाभ ले सके ,साथ ही जो लोग रात्रि में दवा लेने नही आ पाते उन्हें दवा की पुड़िया भी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्य औषधि वितरण कार्यक्रम के विगत 25 वर्षो के नियमित लाभार्थी मप्र कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी मनोज राजानी जैन रत्न नीलेश जैन छाबड़ा ने भगवान घन्वंतरि का पूजन कर किया।

हार्दिक ने हासिल किया फोर्थ रनरअप का खिताब



देवास। शहर की यूसीमास एंजल एबेकस एकेडमी के होनहार छात्र हार्दिक मालविया ने प्लेश कॉम्पिटिशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए फोर्थ रनरअप ट्रॉफी हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से एकेडमी सहित देवास जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है। हार्दिक की इस सफलता पर संस्था संचालक हरीश कारपेंटर, विकास यादव, जीयूसीमास एंजल एबेकस एकेडमी परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



शरद पूर्णिमा पर गरबा हुआ महोत्सव

देवास। अमृत नगर स्थित खाटू श्याम धाम मंदिर में शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर खाटू श्याम गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में सैकड़ों महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खाटू श्याम महिला मंडल की राधा ठाकुर के आयोजन में श्रद्धालुओं ने गरबा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी।। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा श्याम की 151 दीपों से भव्य आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात गरबा महोत्सव की शुरुआत हुई। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे श्रद्धालुओं ने गरबा नृत्य कर बाबा श्याम के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। महोत्सव में राधा ठाकुर, नीतू राठौर, बबीता कारपेंटर, सोनिया ठाकुर, नेहा मुकुट, शकुंतला सोनी, ममता वर्मा, खुशी राठौर, मुस्कान, सुमित वर्मा और शुभम सहित सैकड़ों श्याम प्रेमियों ने सहभागिता की।

लोकतंत्र बचाओ-आराजकता हटाओ अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना कार्यकर्ता की जिम्मेदारी- डॉ. रायसिंह सेंधव

देवास।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया। 24 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के लिए जिले की टोली के साथ अलग-अलग अभियानों की टोली का गठन भी किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर व अन्य विषयों को लेकर फैलाए जा रहे झूठ को उजागर करने पार्टी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचें और तथ्यों के साथ जनता को वास्तविकता से अवगत कराएं। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र का गला घोंटा, विपक्ष में रहकर भी भ्रम फैला रही है। इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।



एसआईआर व अन्य विषयों को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठे नैरेटिव को तथ्यों के साथ पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर जवाब दें। सेंधव ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं को कमजोर करने का काम करती रही। आज विपक्ष में रहते हुए भी लोकतंत्र को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता के बीच सही जानकारी पहुंचाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पार्टी का यह अभियान दीपावली तक चलाया जाएगा।

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान 5 नवंबर तक चलाया जाएगा। अभियान के तहत जिला स्तर पर लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्र चिंतन संवाद कार्यक्रम के तहत स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा। लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ अभियान को लेकर सोमेश्वर मंदिर से सयाजी द्वार तक पदयात्रा 02 नवंबर को निकाली जाएगी।



डॉ. अनामिका का हुआ स्वागत चुनरी ओढ़ाकर किया सम्मान

देवास। राष्ट्रीय कवयित्री डॉ. अनामिका जैन अम्बर के मां चामुंडा की पावन नगरी देवास आगमन पर भाजपा युवा मोर्चा जिला सह कोषाध्यक्ष एवं भाजपा टोंक मंडल मंत्री सनी जैन ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर सनी जैन ने मां की चुनरी ओढ़ाकर उनका सम्मान किया तथा प्रभु महावीर की तस्वीर भेंट कर उनके प्रति आदर एवं सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान उपस्थित जनों ने डॉ. अनामिका जैन अम्बर का स्वागत करते हुए उनके देवास आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में अमृत सिंह राजपूत, कृष्णा जाट, संदीप पांचाल, अभिषेक शर्मा एवं कृष्ण सोलंकी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल ने स्वच्छता को लेकर रैली निकाली

शाजापुर।

शाजापुर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत सोमवार को जिला अस्पताल की ओर से स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली जिला अस्पताल से शुरू होकर बस स्टैंड पहुंची।

यहां यात्रियों और आम लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया। रैली में जिला अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मचारी शामिल हुए। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. मनोज पंचोली ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को साफ-सफाई के महत्व



की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। रैली में अस्पतालकर्मी हाथों में स्वच्छता संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर निकले। उन्होंने नारे लगाकर लोगों को आसपास साफ-सफाई रखने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस ने डोडाचूरा और 1 लाख की बैन टैबलेट पकड़ी

नीमच का युवक गिरफ्तार, वाहन चेकिंग के दौरान बाइक जब्त

मंदसौर।

मंदसौर जिले की नारायणगढ़ पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक तस्कर को दबोचकर उसके पास से 5 किलो से ज्यादा डोडाचूरा और भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियां जब्त की हैं। मौके से आरोपी की बाइक और मोबाइल भी कब्जे में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को नारायणगढ़-पिपलियामंडी रोड पर सगस बावजी मंदिर के पास बरखेड़ा वीरपुरिया फंटे पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक से आ रहे ताहिद (40 वर्ष), निवासी रामद्वारा गली जावद (जिला नीमच) को रोककर तलाशी ली गई। आरोपी के पास से 5.290 किलो पिसा हुआ डोडाचूरा, अल्प्राजोलम टैबलेट के 1200



पत्ते, ट्रामाडोल टैबलेट के 20 पत्ते और टीपी डोल टैबलेट के 75 पत्ते मिले। जब्त किए गए नशीले सामान में डोडाचूरा की कीमत 10,580 रुपए, अल्प्राजोलम टैबलेट 1 लाख रुपए, ट्रामाडोल 6 हजार रुपए और टीपी डोल टैबलेट की कीमत 15 हजार रुपए आंकी गई है। इसके अलावा 50 हजार की बाइक और 10 हजार रुपए का मोबाइल भी जब्त किया गया है। कुल मिलाकर 1 लाख 91 हजार 580 रुपए का माल और वाहन मिला है। नारायणगढ़ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राजेंद्र पवार ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के जरिए यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी तादाद में नशीली दवाएं और डोडाचूरा कहां से लाया गया।

280 कृष्णमृगों का सफल रेस्क्यू

शाजापुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मालवा अंचल के शाजापुर-शुजालपुर क्षेत्र में कृष्णमृग (ब्लैकबक) कैप्चर एवं स्थानांतरण अभियान का द्वितीय चरण जारी है। अभियान के अंतर्गत ग्राम बड़िगांव में कल 169 तथा आज 111 वन्यजीवों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। इस प्रकार ग्राम बड़िगांव में दो दिनों में कुल 280 वन्यजीवों का रेस्क्यू किया गया है। इसके साथ ही अभियान में अब तक रेस्क्यू किए गए वन्यजीवों की कुल संख्या 1,275 हो गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व एवं फसलों को होने वाली क्षति को कम करना, प्रभावित ग्रामीण समुदायों को राहत प्रदान करना तथा वन्यजीवों को सुरक्षित तरीके से उपयुक्त वन्य आवास में स्थानांतरित करना है। अभियान के द्वितीय चरण में कृष्णमृगों के स्थानांतरण का लक्ष्य 2,000 निर्धारित किया गया है। अभियान में दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञ संस्था कंजर्वेशन सॉल्यूशंस का तकनीकी सहयोग प्राप्त हो रहा है।

मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व एवं फसलों को होने वाली क्षति को कम करना उद्देश्य

अवैध शराब कारोबार का खुलासा, विनोद जायसवाल सहित 10 आरोपी गिरफ्तार

54 लीटर देशी शराब, 10 हजार रुपए नकद सहित 7.25 लाख का मश्रुका जब्त

देवास।

ग्राम चंदाना में अवैध शराब बिक्री के मामले में देवास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विनोद जायसवाल सहित कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 54 लीटर देशी शराब, एक वरना कार, 10 मोबाइल फोन और 10 हजार रुपए नकद सहित करीब 7 लाख 25 हजार रुपए का मश्रुका जब्त किया है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। पुलिस के अनुसार, 15 और 18 अक्टूबर को ग्राम चंदाना में दो व्यक्तियों की मृत्यु होने की सूचना जिला चिकित्सालय से मिलने पर थाना सिविल लाइन में मर्ग कायम

कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान मृतकों के परिजनों और अन्य लोगों के बयान लिए गए। इसमें ग्राम चंदाना निवासी विनोद जायसवाल द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने की जानकारी सामने आई। घटना के बाद से विनोद फरार था।

सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि विनोद अपने साथियों के साथ कहीं जाने वाला है। इस पर पुलिस ने शहर के विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की। प्रताप नगर-अंबेडकर नगर क्षेत्र में सफेद रंग की वरना कार क्रमांक एमपी 09 सीएफ 3645 को रोकने का प्रयास किया गया।

पुलिस को देखकर कार सवारों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम विनोद जायसवाल, अजय राठौर और रामेश्वर सोनगरा बताए। कार की तलाशी लेने पर डिक्की में देशी शराब की छह पेटियां मिलीं। पुलिस ने शराब जब्त कर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 768/2026 के तहत आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में प्रकरण दर्ज किया।

किराए के मकान में मिला बुजुर्ग का शव

देवास। बावड़िया में किराए के मकान में रहने वाले 62 साल के वली उल्लाह का शव सोमवार दोपहर उनके घर के अंदर मिला। वह पिछले दो दिन से घर से बाहर नहीं निकले थे। मकान से बदबू आने पर उनके परिचितों को शक हुआ। गेट बंद होने पर उसे कटवाकर अंदर देखा गया, तो वली उल्लाह मृत मिले। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिचितों को सौंप दिया गया। मकान मालिक पवन सिंह पवार ने बताया कि वली उल्लाह कंपनियों में हम्माली का काम करते थे। उन्हें अस्थमा की शिकायत भी थी। वह बीमार भी रहते थे। 12 साल से वे इस मकान में किराए पर रह रहे थे। औद्योगिक थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बाबा महाकाल के किए दर्शन



उज्जैन। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने सोमवार शाम विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। शाम करीब 5 बजे महाकाल मंदिर पहुंची भूमि ने सबसे पहले नंदी हॉल में बैठकर ध्यान लगाया। इसके बाद मंदिर की देहरी से बाबा महाकाल के दर्शन किए और देश में सुख-समृद्धि की कामना की। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्मों द इम्पॉसिबल ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज औरअधूरे हम अधूरे तुम की सफलता की कामना लेकर बाबा महाकाल के दरबार पहुंची थीं। भूमि इससे पहले भी महाकाल मंदिर में दर्शन कर चुकी है। दर्शन के बाद भूमि ने अपनी भक्ति भावना व्यक्त करते हुए कहा, जब भी मैं महाकाल मंदिर आती हूं, ऐसा लगता है कि आत्मा तृप्त हो गई है। यहां आकर मन को अद्भुत शांति मिलती है। मेरी बस यही इच्छा है कि बाबा महाकाल मुझे इसी तरह बार-बार अपने दरबार में बुलाते रहें।

सीएम यादव टेकचंद जी की समाधि पर टेकेंगे माथा

उज्जैन। सीएम यादव का उज्जैन दौरा काफी व्यस्तता भरा रहेगा। वे डेढ़ घंटे तक उज्जैन में रहेंगे और तीन बड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। वे यहां से सीधे वाल्मीकि धाम जाएंगे। करीबी 30 मिनट का समय यहां बिताएंगे। यहां से वे सीधे कडछा जाएंगे। जहां दामोदरवंशीय गुजराती जूना दर्जी समाज के गुरु टेकचंद की समाधि पर माथा टेकेंगे। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के अनुरोध पर वह यहां आ रहे हैं।

हरसिद्धि चौराहा से महाकाल मंदिर तक रोड बंद, अब सन्नाटा

उज्जैन। हरसिद्धि चौराहा से महाकाल मंदिर तक की रोड को अब पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इससे बड़ा गणेश मंदिर के सामने जहां दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रहती थी, वहां सन्नाटा पसर गया है। अब चारधाम मंदिर के सामने भीड़ केंद्रित हो गई है। दरअसल, हरसिद्धि से महाकाल मंदिर के सामने होटल द सम्राट विक्रमादित्य इन के पास तक 80 फीट चौड़ी रोड बनाई जा रही है। यह काम गुढ़ीए को सौंपा गया है, लेकिन दर्शनार्थियों की भीड़ के कारण काम रफ्तार पकड़ नहीं पा रहा था। रोड पूरी तरह बंद हो जाने से यह काम तेजी से किया जा सकेगा। इसमें अभी कुछ समय लगेगा। नीलकंठ द्वार से गुदरी चौराहा तक का मार्ग भी चौड़ीकरण के कारण पूरी तरह बंद कर दिया गया है। शीघ्र दर्शन काउंटर की जगह भी बदल दी गई है। अब यह चारधाम के पास पानी की टंकी के सामने बन दिया गया है। इस कारण दर्शनार्थियों की भीड़ का यह केंद्र बन गया है।

कलेक्टर सिंह को निरीक्षण में मिली कमियां, तीन दिन में मांगा जवाब

कालभैरव में गंदगी-अतिक्रमण, अपर और सहायक आयुक्त को नोटिस

उज्जैन।

बाबा महाकाल के कोतवाल कालभैरव के मंदिर परिसर में गंदगी और अतिक्रमण मिलने पर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मंदिर परिसर और पहुंच मार्गों के औचक निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था असंतोषजनक मिलने पर नगर निगम के अपर आयुक्त पवन सिंह और सहायक आयुक्त घनश्याम मचार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दोनों अधिकारियों को तीन दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान मंदिर क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। नालियों की नियमित



सफाई नहीं होने से जलभराव और गंदगी की स्थिति सामने आई। वहीं, मंदिर पहुंच मार्गों पर अवैध अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हो रही थी। दोनों अधिकारियों को तीन दिन के भीतर कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। कमियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने अपर आयुक्त और सहायक आयुक्त को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित करने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों को तीन दिन में जवाब पेश करना होगा।

हटने लगे अतिक्रमण

निरीक्षण के दौरान ही मंदिर के बाहरी परिसर में स्थित शासकीय दुकानों के सामने किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाया गया। कलेक्टर ने मंदिर के पीछे की ओर निर्माणाधीन निर्गम मार्ग का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर परिसर से बाहर निकाला जा सके।

कालभैरव मंदिर की कमान तहसीलदार को सौंपी

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने तहसीलदार ज्योति लाक्षाकार को जिम्मेदारी सौंपी है। कलेक्टर के बदलाव के बाद अब ज्योति लाक्षाकार मंदिर की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक कार्य करेंगी। उन्हें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उज्जैन नगर एवं कालभैरव मंदिर के अध्यक्ष के मार्गदर्शन और निर्देशन में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि लाक्षाकार को नायब तहसीलदार के रिक्त पद के विरुद्ध भी कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया है। जिला प्रशासन के इस निर्णय को कालभैरव मंदिर की व्यवस्थाओं के बेहतर संचालन और प्रशासनिक निगरानी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शनि मंदिर में भी इसी तरह की कसावट की दरकार है। मंदिर में देशभर से श्रद्धालु आते हैं और शनि की टेढ़ी नजर से बचने के लिए तेल आदि चढ़ाते हैं। इसका हिसाब किताब रखने और अन्य व्यवस्थाओं पर नजर रखने के लिए तहसीलदार स्तर के अधिकारी की नियुक्ति जरूरी हो गई है। अभी पटवारी के हाथ में प्रबंधन है, जिससे वे ज्यादा समय नहीं दे पाते। चढ़ाए गए तेल आदि का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। कालभैरव मंदिर में श्रद्धालु मदिरा का भोग लगाते हैं।

अंडरपास निर्माण के लिए कार्य की गति बढ़ाएं -संभागायुक्त

मार्च 2027 तक शंकराचार्य चौराहा-मुरलीपुरा मार्ग पूर्ण करने के निर्देश

उज्जैन।

महापर्व के दृष्टिगत शहर में श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुविधा के लिए किए जा रहे सड़क एवं अधोसंरचना विकास कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है। रविवार को संभागायुक्त-सह-सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम, एमपीआरडीसी एवं पीडब्ल्यूडी द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया।



संभागायुक्त आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सर्वप्रथम हरीफाटक ब्रिज के नीचे प्रस्तावित अंडरपास निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित इंजीनियरों से अंडरपास निर्माण की प्रस्तावित कार्ययोजना एवं ड्राइंग के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत यह अंडरपास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से क्षेत्र में यातायात का आवागमन सुगम होगा तथा श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अंडरपास निर्माण से जुड़े नगर निगम, पीडब्ल्यूडी एवं एमपीआरडीसी के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य योजना तैयार कर निर्माण कार्य को गति दें। सभी विभाग एक-दूसरे के साथ समन्वय बनाए रखते हुए आवश्यक तकनीकी एवं निर्माण संबंधी कार्यों को समय पर पूर्ण करें, ताकि किसी भी स्तर पर कार्य प्रभावित न हो। इसके बाद शंकराचार्य चौराहा से मुरलीपुरा तक निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया गया।

संभागायुक्त सिंह ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सड़क निर्माण कार्य मार्च 2027 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के साथ ड्रेनेज, पेयजल पाइपलाइन तथा विद्युत पोल शिफ्टिंग सहित अन्य संबंधित कार्य भी आपसी समन्वय से समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने नगर निगम द्वारा केटीएम शोरूम से नीलगंगा चौराहा तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माणाधीन सड़क को सांवेर रोड से जोड़ा जाएगा। मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली सड़क के लिए जंक्शन विकसित किया जाना प्रस्तावित है। संभागायुक्त सिंह ने मौके पर ड्राइंग के माध्यम से प्रस्तावित जंक्शन की जानकारी ली तथा अधिकारियों को विस्तृत एवं व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं जंक्शन निर्माण इस प्रकार किया जाए कि भविष्य में यातायात का संचालन सुगम रहे और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।





काम की गति मंद होने पर ठेकेदार पर ठोका जुर्माना

महाकाल चौराहे की सड़क का काम रात में भी करें -महापौर

उज्जैन।

उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत निर्माण और सड़क चौड़ीकरण के कामों में तेजी लाने के लिए नगर निगम सक्रिय है। सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल ने गोपाल मंदिर स्थित निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। काम की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने ठेकेदार पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। वहीं, नीलकंठ द्वार से महाकाल चौराहे तक 11 करोड़ रुपए की लागत से 400 मीटर लंबे मार्ग को 24 मीटर चौड़ा करने का काम भी जारी है।

रात में भी काम कराने के निर्देश

गोपाल मंदिर स्थित पुराने नगर निगम कार्यालय की जगह सर्वसुविधायुक्त कॉम्प्लेक्स और बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को लेबर और संसाधन बढ़ाकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि व्यस्तम मार्ग होने के कारण निर्माण सामग्री रात में लाई जाए और रात में भी काम कराया जाए, ताकि निर्माण कार्य जल्द पूरा हो सके। फिलहाल बेसमेंट में वाहन उतारने के लिए रैंप की शटरिंग और लोअर बेसमेंट का काम चल रहा है। बेसमेंट का काम पूरा होने के बाद ग्राउंड फ्लोर का निर्माण शुरू किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा और सब इंजीनियर आकाश रघुवंशी मौजूद रहे। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत नीलकंठ द्वार से महाकाल चौराहे तक करीब 400 मीटर लंबे मार्ग को 24 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। राज्य शासन और सिंहस्थ मद से करीब 11 करोड़ रुपए की लागत से यह काम हो रहा है।

मेलडी माता मंदिर पहुंची साध्वी हरिप्रिया, अंधविश्वास की सामग्रियां हटवाई



उज्जैन। उज्जैन के विक्रांत भैरव क्षेत्र स्थित सती माता मंदिर (मेलडी माता मंदिर) परिसर में पेड़ों पर महिला-पुरुषों के फोटो लगाकर उनमें कीलें ठोंकने का मामला सामने आया है। यहां कुछ जगहों पर सैंडल और कपड़ों से बने पुतले भी टंगे मिले। स्थानीय मान्यता के अनुसार, इन गतिविधियों को शत्रु नाश से जोड़कर देखा जाता है। मामले की जानकारी मिलने पर अटल अखाड़े की साध्वी हरिप्रिया मंदिर परिसर पहुंचीं। वह पिछले 3-4 दिनों से रोज सुबह और शाम यहां आकर पेड़ों पर लगी तस्वीरें और कीलें हटाने का काम कर रही हैं। तस्वीरों वाली खबर सामने आने के बाद लोग भी मौके पर पहुंचने लगे। साध्वी ने तस्वीरें हटाकर जला दीं और इस प्रथा को अंधविश्वास बताया। उन्होंने कहा कि पेड़ों में कीलें ठोकने से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है और ऐसी गतिविधियों से उज्जैन की धार्मिक छवि भी प्रभावित हो सकती है। साध्वी हरिप्रिया ने कहा कि पेड़ों में कीलें ठोकने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। उज्जैन देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर परिसर में इस तरह के फोटो और तंत्र-मंत्र से जुड़ी निशानियां देखकर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं में भय पैदा हो सकता है।

118 करोड़ से निखरेगा भूखीमाता मंदिर का वैभव

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन के धार्मिक स्थलों को भव्य स्वरूप देने की तैयारी है। इसमें भूखीमाता मंदिर परिसर के विकास की योजना सबसे खास है। मंदिर और उससे जुड़ी अधोसंरचना के विकास पर 118.16 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। योजना के तहत 38 हजार से अधिक वर्गमीटर क्षेत्र में मंदिर परिसर से लेकर प्रवेश प्रांगण, यज्ञशाला, भोजनशाला और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। धार्मिक आयोजनों के लिए 209 कुंडों की यज्ञशाला और 207 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग इस परियोजना के प्रमुख आकर्षण होंगे। भूखीमाता मंदिर परिसर के विकास का उद्देश्य केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक व्यवस्था तैयार करना भी है। सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर में प्रवेश, आवागमन, पूजा-अनुष्ठान और अन्य सुविधाओं को व्यवस्थित करने की योजना बनाई गई है। परियोजना पूरी होने पर मंदिर परिसर को नया स्वरूप मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित विकास योजना में यज्ञशाला महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। इसमें 209 कुंडों की व्यवस्था प्रस्तावित है। इससे धार्मिक अनुष्ठानों और आयोजनों के लिए व्यापक व्यवस्था विकसित करने की योजना है। मंदिर परिसर में प्रवेश प्रांगण का विकास भी किया जाएगा।

सिद्धवट मंदिर परिसर एवं अधोसंरचना के विकास के लिए भी 14.58 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। इसमें मंदिर परिसर, घाट क्षेत्र, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था और पार्किंग का विकास किया जाएगा। श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए अलग कतार क्षेत्र और निकास प्रांगण बनाने की योजना है। नवीन प्रवेश द्वार, पूजन हॉल, प्रशासनिक भवन, पुरोहित भवन, शौचालय और चेंजिंग सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। 42,400 वर्गफीट क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था होगी, जिसमें 120 कारों और 10 बसों को खड़ा किया जा सकेगा। श्रद्धालुओं की जरूरतों के लिए लगभग 2,050 वर्गफीट क्षेत्र में दुकानों का भी प्रावधान है।

उज्जैन में पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

12 साल की शादी के बाद पति गिरफ्तार

उज्जैन।

पंवासा थाना क्षेत्र के ग्राम मोरुखेड़ी, पाटपाला इलाके का है। यहां 24 सितंबर 2026 की रात 27 वर्षीय कविता चंदेल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद जांच के तहत परिवार के सदस्यों और अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए। उज्जैन में पत्नी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के मामले में पंवासा पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि पति शराब के नशे में उसके चरित्र पर संदेह करता था। आए दिन विवाद कर उसे प्रताड़ित करता था। पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर यह कार्रवाई की है।

घर में फांसी लगाकर दी थी जान

मामला उज्जैन के पंवासा थाना क्षेत्र के ग्राम मोरुखेड़ी, पाटपाला इलाके का है। यहां 24 सितंबर 2026 की रात 27 वर्षीय कविता चंदेल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद जांच के तहत परिवार के सदस्यों और अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल की।

शराब के नशे में विवाद करने का आरोप

परिजनों के मुताबिक, कविता की शादी करीब 12 साल पहले शिवशंकर उर्फ रामगोपाल चंदेल से हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि पति शराब के नशे में पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। परिजनों ने पति पर कविता को लगातार घटना वाले दिन भी पति-पत्नी के बीच विवाद होने की बात सामने आई। पुलिस ने परिजनों के बयानों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 में केस

पुलिस ने जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी पति शिवशंकर उर्फ रामगोपाल चंदेल, उम्र 31 वर्ष, को 25 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण से संबंधित है।फिलहाल पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है। मामले में आगे की विवेचना जारी है। पुलिस जांच के बाद ही घटना से जुड़े सभी तथ्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

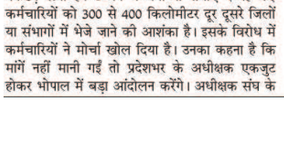
किसान की पीट-पीट कर हत्या

उज्जैन। माकड़ोन थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर किसान जीवन शर्मा की लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक कांग्रेस से जुड़ा था।



जमीन विवाद को लेकर किया लोहे की रॉड से हमला

परिजनों के मुताबिक, जमीन को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। बीती रात जीवन दूध लेने गया था, तभी आरोपियों ने उसे घेरकर हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भाई ने बताया कि राजाराम, कृष्णपाल, नंदकिशोर, बाबूलाल सहित अन्य लोगों ने जीवन को घेरकर हमला किया। इससे पहले दशहरे के दिन भी जमीन को लेकर विवाद हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए उज्जैन भेजा। खबर फैलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन और समर्थक पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। विधायक महेश परमार भी समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। माकड़ोन थाना पुलिस के अनुसार, शिकायत के आधार पर वीरेंद्र शर्मा, नंदकिशोर और बाबूलाल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वारदात में कुछ अन्य लोगों के शामिल होने की सूचना पर भी जांच की जा रही है।



7 साल से एक ही संस्थान में पदस्थ कर्मचारियों के तबादले का मामला गरमाया

अधीक्षकों को 400 किमी दूर भेजने की तैयारी!

उज्जैन।

जनजातीय कार्य विभाग और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के छात्रावासों, आश्रम शालाओं और आवासीय विद्यालयों में पदस्थ अधीक्षकों के तबादले का मामला तूल पकड़ने लगा है। उज्जैन में वर्षों से सेवाएं दे रहे कई कर्मचारियों को 300 से 400 किलोमीटर दूर दूसरे जिलों या संभागों में भेजे जाने की आशंका है। इसके विरोध में कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर के अधीक्षक एकजुट होकर भोपाल में बड़ा आंदोलन करेंगे। अधीक्षक संघ के सदस्य मुकेश कुमार यादव के अनुसार, उज्जैन में काम कर रहे कई कर्मचारी वर्ष 2018-19 और 2019-20 से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं। इनमें ऐसे कर्मचारी भी हैं जिनके परिवार में बुजुर्ग माता-पिता और छोटे बच्चे हैं। कर्मचारियों का तर्क है कि अचानक दूसरे जिलों में तबादला होने से बच्चों की पढ़ाई, परिवार की देखभाल और आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

कर्मचारियों ने उज्जैन जैसे गैर-जनजातीय जिले में इस व्यवस्था को लागू करने के तरीके पर पुनर्विचार करने की मांग की है। तबादले के विरोध में रविवार को दोपहर करीब दो बजे अधीक्षक और शिक्षक सांसद कार्यालय तथा मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे। यहां ज्ञापन सौंपकर वर्तमान पदस्थापना बनाए रखने और तबादले की प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की गई। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से एक ही संस्थान में सेवाएं देने वाले अधीक्षकों के मामले में स्थानीय परिस्थितियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और व्यावहारिक कठिनाइयों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल की ओर से 30 सितंबर को जारी आदेश में एक ही संस्था में सात साल से अधिक समय से पदस्थ अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत कर्मचारियों को 5 से 7 अक्टूबर तक ई पोर्टल पर अनिवार्य रूप से स्थानांतरण के लिए आवेदन करना था।

असली सोना दिखाकर किसान से लाखों की ठगी

उज्जैन। खुदाई के दौरान एक किलो सोना मिलने का झांसा देकर एक किसान से 20 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले किसान को असली सोने के दो मोती दिखाकर भरोसे में लिया। इसके बाद उसे उज्जैन बुलाया और सोने जैसे दिखने वाले आभूषणों की थैली देकर 20 लाख रुपए ले लिए। कुछ देर बातचीत में उलझाने के बाद आरोपी आभूषणों की थैली भी वापस लेकर इंदौर रोड की तरफ भाग गए। फरियादी किसान रमेश ने अपनी बेटी पूजा धनगर के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह खेती-किसानी करता है। 1 अक्टूबर 2026 को वह जावरा मंडी में मेथी बेचने गया था। वहां उसकी मुलाकात दो पुरुषों और एक महिला से हुई।

बातचीत के दौरान आरोपियों ने उससे देशी घी के बारे में पूछा। खुदाई के दौरान उन्हें एक किलो सोना मिला है। आरोपियों ने कहा कि वे सोना दुकान पर नहीं बेच सकते और 40 लाख रुपए मिलने पर इसे दे देंगे। आरोपियों ने भरोसा दिलाने के लिए किसान को नमूने के तौर पर सोने के दो मोती दिए। किसान ने गांव में सुनार से उनकी जांच कराई तो मोती असली निकले। इसके बाद किसान को आरोपियों की बात पर भरोसा हो गया। 15 अक्टूबर को किसान अपनी पत्नी देवबाई और बेटी पूजा के साथ 20 लाख रुपए लेकर उज्जैन पहुंचा। आरोपियों ने फोन पर संपर्क करने के बाद उन्हें शांति पैलेस चौराहे पर वृंदावन होटल के पास बुलाया। मौके पर मिले पुरुषों और महिला ने किसान को एक थैली में सोने जैसे दिखने वाले आभूषण दिए और 20 लाख रुपए ले लिए। इसके बाद आरोपियों ने बातचीत में उलझाकर आभूषणों की थैली भी वापस ले ली। फिर वे इंदौर रोड की तरफ भाग गए।

पीएम मोदी ने प्रिय मित्र कह कर लूला दा सिल्वा को दी जीत की बधाई, राष्ट्रपति ट्रंप को लगा करारा झटका

वामपंथी लूला दा सिल्वा चौथी बार बने राष्ट्रपति

नई दिल्ली/ब्रासीलिया । ब्राजील में लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लूला को 'मेरे प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की इच्छा व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'राष्ट्रपति लूला को उनके शानदार पुनर्निर्वाचन पर हार्दिक बधाई। मैं भारत-ब्राजील की बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा और व्यापक बनाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों देश मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करेंगे, 'ग्लोबल साउथ' की साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएंगे, और एक अधिक समावेशी, न्यायसंगत तथा टिकाऊ दुनिया के निर्माण की दिशा में काम करेंगे।

जायर को कड़े मुकाबले में हराया

लूला ने एक कड़े मुकाबले में निवर्तमान राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को हराया। यह चुनाव विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा क्योंकि 1989 में ब्राजील में सीधे राष्ट्रपति चुनाव शुरू होने के बाद यह पहली बार हुआ कि पहले दौर में दूसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवार ने अंतिम दौर में जीत हासिल कर राष्ट्रपति पद पर कब्जा किया। लूला पहले दौर की वोटिंग में पीछे रह गए थे, लेकिन दूसरे दौर में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए बाजी पलट दी। चुनाव के दूसरे और अंतिम दौर में लूला दा सिल्वा को 51.78 प्रतिशत वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो 48.22 प्रतिशत वोटों के साथ पीछे रह गए। इस तरह लूला ने करीब दो प्रतिशत वोटों के करीबी अंतर से जीत दर्ज की।

ब्राजील में वामपंथी नेता लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। 80 वर्षीय लूला चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बनेंगे, जो उनकी प्रभावशाली राजनीतिक यात्रा का एक और अध्याय है। इस चुनाव में सबसे खास बात यह रही कि यह ब्राजील के चुनावी इतिहास में पहली बार हुआ है जब पहले दौर में पिछड़ने वाला उम्मीदवार दूसरे दौर के मतदान में निर्णायक जीत हासिल करने में सफल रहा हो। लूला ने अपने प्रतिद्वंद्वी दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को शिकस्त दी, जिससे अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी एक बड़ा झटका लगा है, जो बोल्सोनारो का मुखर समर्थन कर रहे थे।

जेल तक जा चुके हैं लूला दा सिल्वा



लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वह इससे पहले 2002 से 2010 तक दो बार ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। 2018 में भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था, हालांकि बाद में उनकी सजा रद्द कर दी गई थी। अब तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनके लिए सरकार चलाना आसान नहीं होगा। ब्राजील की संसद में दक्षिणपंथी दल मजबूत स्थिति में हैं, जिससे लूला को प्रमुख फैसले लागू करने और विधेयकों को पारित कराने के लिए अन्य पार्टियों का सहयोग लेने की आवश्यकता होगी।

» नेतन्याहू को चुनाव जिताने के लिए ट्रंप लगा रहे जोर

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल में चल रहे चुनाव के बीच, सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन नेतन्याहू को अपनी पार्टी और गठबंधन की जीत पर इस बार भी पूरा भरोसा नहीं दिख रहा है। ऐसे में, उन्होंने एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहारे की उम्मीद की है। ट्रंप पहले ही इजरायली लोगों को सार्वजनिक रूप से अपना संदेश दे चुके हैं, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर नेतन्याहू हारते हैं, तो दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ सकता है। हालांकि, पूर्व अटॉर्नी के बावजूद नेतन्याहू को जीत से पीछे हटने का डर सता रहा है, जिसके चलते उन्होंने पिछले तीन दिनों में ट्रंप से दो बार फोन पर बात कर, और अधिक समर्थन की मांग की है।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में 8 भारतवंशी प्रत्याशी चुनाव मैदान में

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के आठ उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। ये उम्मीदवार अलग-अलग राज्यों में गवर्नर, प्रतिनिधि सभा, अटॉर्नी जनरल और मेयर जैसे पदों के लिए चुनाव मैदान में हैं। इनमें एक उम्मीदवार रिपब्लिकन और सात डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं।

ये हैं आठ भारतवंशी उम्मीदवार

1. **विवेक रामास्वामी:** रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं। ओहायो में गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।
2. **रो खन्ना:** डेमोक्रेटिक पार्टी से कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि सभा सीट के उम्मीदवार हैं।
3. **प्रमिला जयपाल:** वॉशिंगटन की प्रतिनिधि सभा सीट से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैं।
4. **अमीश शाह:** एरिजोना की प्रतिनिधि सभा सीट से डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी हैं।
5. **अमी बेरा:** कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि सभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।
6. **सुहास सुब्रमण्यम:** वर्जीनिया की प्रतिनिधि सभा सीट से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैं।
7. **जोश कौल:** विस्कॉन्सिन में अटॉर्नी जनरल पद के लिए चुनाव मैदान में हैं।
8. **निराज रमन:** लॉस एंजिलिस में मेयर पद के लिए चुनाव लड़ रहीं हैं।

इन चुनावों में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की भागीदारी अमेरिकी राजनीति में समुदाय की बढ़ती मौजूदगी को दर्शाती है। चुनाव परिणाम तय करेंगे कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के अगले दो वर्षों में अमेरिकी कांग्रेस पर किस दल का नियंत्रण रहेगा।

पूर्व जस्टिस कौल की सहमति से हुए है फैसले : पूर्व सीजेआई

नई दिल्ली



देश की उच्चतम न्यायालय के पूर्व जजों के बीच गंभीर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने हाल ही में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अपनी नई किताब 'विदाउट फियर ऑर फेवर' में जस्टिस कौल ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पूर्व सीजेआई फैसले लेने में सरकार के आगे नरम पड़ जाते थे और कॉलेजियम की चर्चा से पहले सरकार की सहमति लेते थे। इन गंभीर आरोपों पर पूर्व सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा है कि उनके कार्यकाल में कॉलेजियम के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे और जस्टिस कौल ने हर सिफारिश का समर्थन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि किताब को पढ़े बिना वे इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं कर सकते।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कॉलेजियम की कार्यप्रणाली की पारदर्शी प्रक्रिया का हवाला देते हुए बताया कि कॉलेजियम के हर प्रस्ताव और सिफारिशों की वजह सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक तरीके से जारी की जाती थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन सभी फैसलों में जस्टिस कौल की सहमति शामिल थी और जब भी कॉलेजियम ने सरकार को जजों की नियुक्ति का औपचारिक प्रस्ताव भेजा, जस्टिस कौल ने एक पर भी अपनी आपत्ति नहीं जताई थी।

पूर्व सीजेआई ने जस्टिस कौल के एक अन्य आरोप को भी सिरे से नकार दिया, जिसमें उन्होंने बैठक से वॉकआउट करने की बात कही थी। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया कि कॉलेजियम के फैसले कभी अचानक नहीं लिए जाते थे, बल्कि कई दौर की औपचारिक और अनौपचारिक चर्चाएं होती थीं। उन्होंने कहा कि बैठकों का माहौल बेहद सौहार्दपूर्ण रहा और जस्टिस कौल ने कभी किसी बैठक से वॉकआउट नहीं किया। जस्टिस कौल ने अपनी किताब में दावा किया है कि पूर्व सीजेआई सरकार के प्रति 'जरूरत से ज्यादा नरम' थे।

फटाफट खबरें

मुस्लिम सीटों पर अब यादव परिवार का राज : ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कई सीटों पर, जहाँ पहले मुस्लिम उम्मीदवार जीतते थे, वहाँ अब यादव परिवार के सदस्य चुनाव जीत रहे हैं। इसके साथ ही, ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में आने से रोकने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा भी जताई है। ओवैसी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी का नाम 'समाजवादी यादव परिवार' कर देना चाहिए। उन्होंने आजमगढ़, बदायूं और फिरोजाबाद जैसी सीटों का उदाहरण देते हुए कहा कि एक समय था जब इन जगहों से मुस्लिम सांसद बनते थे, लेकिन अब अखिलेश यादव के परिवार के सदस्य उन सीटों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

ईरान को लेकर ट्रंप के बदले सुर हमले से किया इनकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान को लेकर दिए गए बयानों ने पश्चिम एशिया में एक बार फिर अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। बीते कई महीनों से ईरान के साथ तनाव के बीच, ट्रंप ने पहले एक बड़े हमले के संकेत दिए थे, लेकिन बाद में उन्होंने रविवार (अमेरिकी समयानुसार) को ऐए हमले से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने आने वाले दिनों में सैन्य कार्रवाई की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। ट्रंप के विरोधाभासी बयानों से यह सवाल गहरा गया है कि अमेरिका ईरान के साथ कोई समझौता करेगा या सैन्य कार्रवाई की ओर बढ़ेगा।

मियाके-जिमा: जहां गले में गैस मास्क लेकर चलते हैं लोग

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां प्राकृतिक खूबसूरती के साथ खतरनाक परिस्थितियां भी मौजूद हैं। जापान का मियाके-जिमा द्वीप इसका अनोखा उदाहरण है। प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप पर रहने वाले लोग अपने साथ गोबाइल, चाबी और बटुए की तरह गैस मास्क रखते हैं। यहां ज्वालामुखी से निकलने वाली जहरीली गैस के खतरे के कारण लोगों को हर समय सतर्क रहना होता है। सायरन बजते ही लोग मास्क पहनते और सुरक्षित स्थान पर जाने की तैयारी करते हैं। टोक्यो से करीब 180 किलोमीटर दक्षिण में मौजूद मियाके-जिमा दूर से बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। हरी पहाड़ियों और नीले समुद्र से घिरे द्वीप के बीच माउंट ओयामा नाम का सक्रिय ज्वालामुखी है। इससे निकलने वाली सल्फर डाइऑक्साइड गैस लोगों के लिए गंभीर खतरा बनी रहती है।

समर्थन देंगे पर किसी से गठबंधन नहीं करेंगे : अभिजीत दीपके

अजीत झा

नई दिल्ली । कांकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक दल के साथ सीधे गठबंधन नहीं करेगी, लेकिन अगर मकसद साझा होगा तो समर्थन अवश्य देगी। उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों के साथ अपने संबंधों को लेकर खुलकर बात की और सीजेपी को एक स्वतंत्र प्रेशर ग्रुप बताया। दीपके ने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता उन 25 मिलियन युवाओं के प्रति है, जिन्होंने सीजेपी को एक स्वतंत्र आवाज के रूप में चुना है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिजीत दीपके ने बताया कि सीजेपी का मुख्य उद्देश्य ज्ञानेश कुमार जैसे मुद्दों के खिलाफ लड़ना है।



उन्होंने कहा, हम जिस मकसद के लिए लड़ रहे हैं, वो एक ही है। विपक्ष भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ रहा है और सीजेपी भी। दीपके ने इस बात पर जोर दिया कि सीजेपी के युवा अनुयायी किसी भी राजनीतिक दल के साथ जुड़ना नहीं चाहते, बल्कि एक ऐसे समूह का साथ चाहते हैं जो उनकी चिंताओं को स्वतंत्र रूप से उठा सके। उन्होंने अपने समर्थन का उदाहरण देते हुए बताया कि जब राहुल गांधी को हिरासत में लिया गया था, तब उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी।

हैदराबाद में जल संकट, टैंकरों की मांग 233 प्रतिशत बढ़ी

हैदराबाद । गर्मियों से काफी पहले ही गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। मानसून खत्म होने के कुछ ही हफ्तों बाद, अक्टूबर में ही पानी के टैंकरों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई है। जल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अब तक 62,565 टैंकरों की बुकिंग हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि के 18,806 टैंकरों की तुलना में 233 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है। आमतौर पर मार्च और अप्रैल में टैंकरों की बुकिंग में तेजी आती थी।



लेकिन इस बार अक्टूबर में ही प्रतिदिन लगभग 8 जार टैंकर बुक हो रहे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को उजागर करता है। पानी की इस किल्लत का असर अब घरों से लेकर बड़े संस्थानों तक दिखाई दे रहा है। तेलंगाना के बासर स्थित एक विश्वविद्यालय में पानी की भारी कमी के चलते सोमवार से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने का फैसला लिया गया है, क्योंकि वहाँ रोजाना 25 लाख लीटर पानी की जरूरत के मुकाबले सिर्फ 10 लाख लीटर की आपूर्ति हो पा रही है। शहर के कई इलाकों में अपार्टमेंट और आईटी दफ्तर भी अब पानी के टैंकरों पर निर्भर होते जा रहे हैं। तेजी से गिरते भूजल स्तर और कम बारिश ने हालात को और मुश्किल बना दिया है, लगभग 20 हजार बोरवेल सूखने की जानकारी सामने आई है। हैदराबाद में इस साल बारिश भी औसत से काफी कम रही है। जहाँ सामान्य 627 मिलीमीटर के मुकाबले सिर्फ 458 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 27 प्रतिशत कम है। इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ा है, जो पिछले साल की तुलना में औसतन 22.5 फीट नीचे चला गया है। हैदराबाद को पानी उपलब्ध कराने वाले सिंगूर जलाशय की स्थिति भी चिंताजनक है। 17 अक्टूबर को इसकी कुल क्षमता (29.91 टीएमसी) का सिर्फ 11 प्रतिशत पानी ही बचा था।

एक्स-रे से हड्डियों की बीमारी का पता लगाएगा एआई

नई दिल्ली । हड्डियों से जुड़ी गंभीर बीमारियों की पहचान अब सामान्य एक्स-रे की मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के जरिए की जा सकेगी। भारतीय अयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इस दिशा में एक विशेष प्रोजेक्ट तैयार किया है। इससे हड्डियों की मजबूती और उनमें होने वाले बदलावों का पता लगाने में मदद मिलेगी। इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है, हड्डियों की स्थिति का आकलन करने के लिए महंगी डेक्सा मशीनों पर निर्भरता कम हो सकती है। डेक्सा स्कैन का इस्तेमाल मुख्य रूप से हड्डियों के घनत्व की जांच और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी का पता लगाने के लिए किया जाता है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मानी छात्रों की मांगें

नई दिल्ली । दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी ने लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बाद छात्रों की मांगों का समर्थन किया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन छात्रों के खिलाफ हुई निलंबन की कार्रवाई संबंधी नोटिस को वापस ले लिया है। साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन छात्र संघ चुनाव कराने के लिए सहमत हो गया है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि जामिया छात्र संघ के संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिन बाद छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। आंदोलन के दौरान छात्रों को दिए गए सभी निलंबन और शो-कॉज नोटिस को रद्द कर दिया गया है।

ट्रेनों के लेट होने से यात्रियों ने रेलवे ट्रैक किया जाम

» होलंबी कलां स्टेशन पर ट्रेन रोके जाने से भड़के यात्री, अप और डाउन दोनों ट्रैक बाधित



सोनीपत । ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी से परेशान यात्रियों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। कुरुक्षेत्र से हजरत निजामुद्दीन जाने वाली ट्रेन को होलंबी कलां स्टेशन पर काफी देर तक रोके जाने से नाराज यात्री रेलवे ट्रैक पर उतर आए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। यात्रियों ने अप और डाउन दोनों रेल ट्रैक जाम कर दिए, जिससे रेल यातायात बाधित हो गया। इस दौरान पैसेंजर ट्रेनों के साथ शताब्दी एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें भी अलग-अलग स्टेशनों पर रोकनी पड़ीं। मीडिया रिपोर्ट से प्राप्त जानकारी अनुसार, ट्रेनों के निर्धारित समय पर नहीं चलने से यात्री पहले से ही परेशान थे। सोमवार को कुरुक्षेत्र से हजरत निजामुद्दीन जा रही ट्रेन को होलंबी कलां स्टेशन पर काफी देर तक रोके रखा गया। इससे यात्रियों का धैर्य जवाब दे गया और वे ट्रेन से उतरकर रेलवे पटरियों पर पहुंच गए। देखते ही देखते यात्रियों ने दोनों दिशाओं के ट्रैक पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और रेल संचालन रोक दिया।

कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

रेलवे ट्रैक जाम होने से इस मार्ग पर चलने वाली कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। पैसेंजर ट्रेनों के अलावा शताब्दी एक्सप्रेस को भी विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। अचानक रेल यातायात बाधित होने से ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे यातायात करीब एक घंटे से अधिक समय तक प्रभावित रहा।

जम्मू-कश्मीर में 16 हजार से अधिक महिलाएं लापता

जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, पिछले सात सालों में राज्य में 16,397 महिलाएं और लड़कियां लापता हुई हैं। यह चौंकाने वाला आंकड़ा 2019 से अगस्त 2026 तक की अवधि का है। इन लापता व्यक्तियों में से 12,126 का पता लगाया जा चुका है, जबकि 4,271 अभी भी गुमशुदा हैं। लापता हुई महिलाओं में 14,593 बालिग थीं, जिनमें से 3,255 का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं, 1,804 नाबालिग लड़कियों में से 1,016 का पता लगाना बाकी है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, लापता नाबालों में से लगभग 26 प्रतिशत अभी भी अनसुलझे हैं।



रूस के बेलगोरोड में एक रहवासी इमारत के बाहर खड़ी हुई क्षतिग्रस्त कारें। माना जा रहा है कि यूक्रेनी ड्रोन हमलों से इनको ये हालत हुई है।

फैसला : दिल्ली में दूसरे राज्यों के गैर-बीएस6 वाहनों को नहीं मिलेगी एंट्री



संदीप सिंह

नई दिल्ली । नवंबर 2026 की शुरुआत लाखों वाहन चालकों के लिए एक बड़ी चुनौती लेकर आने वाली है। दिल्ली सरकार ने राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक, राष्ट्रीय राजधानी में बाहरी राज्यों से आने वाले बीएस-6 उत्सर्जन मानकों से नीचे के पेट्रोल और डीजल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। यह कदम दिल्ली के वार्षिक विंटर एक्शन प्लान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सर्दियों के दौरान हवा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इस प्रतिबंध से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के करीब 10 लाख वाहन चालक सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। ये वे लोग हैं जो प्रतिदिन नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी शहरों से दिल्ली आते हैं। परिवहन विभाग के अनुमानों के अनुसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद में लगभग दो लाख ऐसे वाहन हैं जो बीएस-6 मानकों को पूरा नहीं करते, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के हैं। इसके अतिरिक्त, इन जिलों में लगभग 50 हजार वाणिज्यिक वाहन भी इस प्रतिबंध के दायरे में आएंगे।

जनता का हक डकार रहीं सरकारें, पूरी दुनिया में फैला आक्रोश

फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे कई देशों में भड़की हिंसा

पेरिस । दुनिया के अधिकांश देश ऐसे हैं जहां सरकार में बैठे लोग पैसा डकार जाते हैं और जनता को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाती। फ्रांस, इटली, अल्बानिया और स्पेन जैसे कई देश है जहां जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। फ्रांस, इटली और अल्बानिया में व्यापक प्रदर्शन दर्ज किए गए, जहां जनता ने महंगाई, कम वेतन, बुनियादी बजट की कमी और सरकारी नीतियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।



फ्रांस में देशव्यापी प्रदर्शनों में 1300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि इटली के आठ शहरों में छात्र और युवा सड़कों पर उतरे। अल्बानिया की राजधानी तिराना में प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर एक दशक की सबसे भीषण हिंसा दर्ज की गई।

फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, बड़े पैमाने के विरोध प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के दौरान पुलिस ने 1,314 लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान झड़पों में 53 पुलिस अधिकारी घायल हुए और 75 जगहों पर आग लगाई गई, वहीं 24 दुकानों में लूटपाट भी हुई। पेरिस, मार्सिले, ल्योन, बोर्डो जैसे कई शहरों में दंगा-रोधी पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि प्रदर्शनों में चार लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जबकि आयोजकों का दावा है कि यह संख्या आठ लाख से ज्यादा थी। सुरक्षा के तौर पर कई शहरों में नाकेबंदी की गई थी। इटली की राजधानी रोम समेत आठ शहरों में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। शनिवार रात मिलान में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन रोम और ट्यूरिन में पुलिस के साथ झड़पें हुईं।

ईंधर अल्बानिया के तिराना में फिर हिंसा भड़की

हिंसक टकराव और लूटपाट जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए पुलिस और सैनिकों को तैनात किया गया था। पुलिस ने इस घटनाओं के संबंध में नौ लोगों को गिरफ्तार किया और 371 को हिरासत में लिया। उधर, अल्बानिया में हिंसा रोकने के लिए नए नियमों की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद रविवार को राजधानी तिराना में फिर हिंसा भड़क गई। सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की मांग को लेकर पुलिस पर पथराव किया। सरकार द्वारा बातचीत के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों और अन्य सामान को भी आग के हवाले कर दिया गया।

जीत के बाद बल्ला फेंकना हारिस रऊफ को पड़ सकता है भारी

ICC लगा सकता है 50 फीसदी तक जुर्माना

नई दिल्ली।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 1 विकेट से जीत दर्ज कर वनडे ट्राई-सीरीज के फाइनल में जगह बना ली। हालांकि, इस ऐतिहासिक जीत के बाद पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ अपने व्यवहार को लेकर विवादों में घिर गए हैं। जीत का जश्न मनाते हुए मैदान पर बल्ला फेंकने की घटना के बाद उन पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के तहत कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने 242 रन का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम एक समय 154 रन पर 9 विकेट गंवा चुकी थी और उसकी हार लगभग तय मानी जा रही थी। ऐसे मुश्किल समय में शादाब खान और 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हारिस रऊफ ने शानदार संघर्ष किया। दोनों ने दसवें विकेट के लिए 89 रन की ऐतिहासिक साझेदारी कर पाकिस्तान को एक विकेट से जीत दिला दी। शादाब खान 113 रन बनाकर नाबाद रहे।



जीत के जश्न में फेंका बल्ला, विल जैक्स से भी हुई बहस

मुकाबले के दौरान हारिस रऊफ और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के बीच भी तीखी बहस देखने को मिली थी। 46वें ओवर में दोनों खिलाड़ियों के बीच तनाव बढ़ गया था। हारिस हाथ में बल्ला लेकर आक्रामक अंदाज में विल जैक्स की ओर बढ़ते दिखाई दिए। इसके बाद पाकिस्तान की जीत सुनिश्चित होते ही हारिस ने उत्साह में अपना बल्ला हवा में उछालकर मैदान पर फेंक दिया। उनकी इस हरकत ने शानदार जीत के जश्न को विवाद में बदल दिया।

ICC के नियमों के तहत हो सकती है कार्रवाई

क्रिकेट के मैदान पर उपकरणों का अनुचित इस्तेमाल या उन्हें खतरनाक तरीके से फेंकना दुष्टष्ट की आचार संहिता का उल्लंघन माना जा सकता है। इस मामले में मैच रेफरी उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित अनुच्छेद 2.2 और किसी खिलाड़ी या अन्य व्यक्ति की ओर असुरक्षित तरीके से उपकरण फेंकने से जुड़े अनुच्छेद 2.9 पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, हारिस के खिलाफ कार्रवाई होगी या नहीं, यह मैच अधिकारियों की जांच और घटना की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

मैच फीस कटने के साथ डिमेरिट पॉइंट्स का खतरा

यदि हारिस रऊफ को लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है, तो उन पर मैच फीस का 10 से 50 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में डिमेरिट पॉइंट्स भी जोड़े जा सकते हैं। ICC के नियमों के अनुसार, 24 महीने के भीतर चार डिमेरिट पॉइंट्स जमा होने पर खिलाड़ी को निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को यादगार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले हारिस रऊफ के लिए यह जश्न अनुशासनात्मक परेशानी का कारण बन सकता है।

17 साल के कृष्ण चंद्र ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण

74.83 मीटर के थ्रो से मचाया धमाल



बेंगलुरु। भारतीय भाला फेंक में युवा खिलाड़ी लगातार अपनी प्रतिभा साबित कर रहे हैं। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश के 17 वर्षीय कृष्ण चंद्र ने 41वीं जूनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 74.83 मीटर दूर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। इसी स्पर्धा में मध्यप्रदेश के सलाउद्दीन ने भी 69.79 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

प्रतियोगिता में कर्नाटक के पुष्पक नेलवाडे 73.43 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उत्तरप्रदेश के हर्ष मिश्रा ने 68.92 मीटर और बिहार के आयुष राज ने 68.56 मीटर दूर भाला फेंककर क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया।

पहले भी जीत चुके हैं स्वर्ण

कृष्ण चंद्र इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 79.92 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। मध्यप्रदेश के कृष्ण चंद्र ने राज्य की खेल अकादमी में प्रशिक्षक मोहम्मद हदीश के मार्गदर्शन में भाला फेंक की बारीकियां सीखी हैं।

महज 17 वर्ष की उम्र में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे कृष्ण चंद्र से भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। उनकी सफलता प्रदेश में एथलेटिक्स की नई प्रतिभाओं के उभरने का संकेत भी है।

पीवी सिंधू की नजर हाइलो ओपन खिताब पर, लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भी दिखाएंगे दम

नई दिल्ली।

फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले पांच लाख डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी तो उनकी नजरें अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने पर होंगी. पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने जुलाई में जापान ओपन का खिताब जीता था और इसके बाद पेरिस में फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई. हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें दक्षिण कोरिया की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग के खिलाफ तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू महिला एकल के पहले दौर में तुर्किये की नेस्लिहान आरिन से भिड़ेंगी।



वहीं, पुरुष एकल में भारत के सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन का सामना फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ से होगा जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी की भिड़ंत चीनी ताइपे के सू ली यांग से होगी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता भारत के एचएस प्रणय को पहले दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। उनका मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त और मौजूदा विश्व चैंपियन फ्रांस के एलेक्स लेनियर से होगा।

किरण जॉर्ज का सामना मलेशिया के चियाम जून वेई से होगा जबकि थारुन मान्नेपल्ली की भिड़ंत फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त टोमा जूनियर पोपोव से होगी. महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा इस साल कोरिया मास्टर्स का खिताब जीतने और पिछले साहाह फ्रेंच ओपन में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराने के बाद अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने के इरादे से उतरेंगी। पहले दौर में उनका सामना बुल्गारिया की कलोयाना नलबांतोवा से होगा।

देविका सिहाग के सामने शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग की कड़ी चुनौती होगी जबकि आकर्षी कश्यप यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से भिड़ेंगी। आठवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ का मुकाबला डेनमार्क की लाइन होजमार्क जार्सफेल्ट से होगा जबकि छठी वरीयता प्राप्त उमति हुड्डा चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा के खिलाफ खेलेंगी. इशारानी बरुआ और अनमोल खरब महिला एकल के क्वालीफाइंग दौर में हिस्सा लेंगी।

'फौजी' के टीजर पर भड़के नेताजी के पोते, निर्देशक से माफी मांगने की मांग

नई दिल्ली। अभिनेता प्रभास की आगामी फिल्म 'फौजी' के टीजर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने फिल्म के निर्देशक हनु राघवपुड़ी पर ऐतिहासिक तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फिल्म में नेताजी और जर्मनी के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर की मुलाकात को जिस तरह दिखाया गया है, उससे नेताजी के व्यक्तित्व और ऐतिहासिक भूमिका की गरिमा प्रभावित होती है। चंद्र कुमार बोस ने निर्देशक से देशवासियों और स्वतंत्रता संग्राम का सम्मान करने वाले लोगों से माफी मांगने की मांग की है।

आईएएनएस से बातचीत में चंद्र कुमार बोस ने कहा कि फिल्मकारों को स्वतंत्रता संग्राम और उसके नायकों को पर्दे पर दिखाने की पूरी आजादी है, लेकिन रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करना उचित नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय



प्रतीकों और महान व्यक्तित्वों से जुड़े तथ्यों को गलत ढंग से दिखाने पर भी आपत्ति जताई।

नेताजी ने देश की आजादी के लिए मांगा था समर्थन

चंद्र कुमार बोस के मुताबिक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस हिटलर से भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्थन हासिल करने के उद्देश्य से मिले थे। नेताजी को उम्मीद थी कि जर्मनी और जापान भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी फासीवाद के समर्थक नहीं थे, बल्कि लोकतंत्र और लोगों के अधिकारों में विश्वास रखते थे। उन्होंने दावा किया कि नेताजी ने हिटलर से बराबरी के स्तर पर बातचीत की थी और भारत की आजादी के लिए सहयोग मांगा था। चंद्र कुमार बोस ने कहा कि नेताजी के व्यक्तित्व को इस तरह प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उनकी ऐतिहासिक भूमिका कमतर दिखाई दे।

काल्पनिक किरदार को ज्यादा महत्व देने का आरोप

फिल्म के टीजर को लेकर उठे विवाद में यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि प्रभास के काल्पनिक किरदार को नेताजी और हिटलर के परिचय से जोड़कर दिखाया गया है। चंद्र कुमार बोस का मानना है कि इस तरह की प्रस्तुति से वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के योगदान को लेकर गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक से प्रस्तुति पर पुनर्विचार करने और माफी मांगने की मांग की। 'फौजी' एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित युद्ध-एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन और लेखन हनु राघवपुड़ी ने किया है। टीजर में दिखाई गई घटनाओं को लेकर विवाद के बाद फिल्म की ऐतिहासिक प्रस्तुति चर्चा में आ गई है।

24वें दिन भी 'दृश्यम 3' का दबदबा

'उड़ता तीर' और 'प्रहार' की कमाई पीछे

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3ः द कन्क्लूजन' का दबदबा बरकरार है। रिलीज के 24वें दिन भी फिल्म ने अच्छी कमाई करते हुए दुनिया भर में 572 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' की कमाई में तीसरे दिन उछाल देखने को मिला। इसके अलावा 'नई नवेली' और 'प्रहार' भी सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं।

'दृश्यम 3' ने 24वें दिन करीब 3 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म का घरेलू कुल कारोबार 368.90 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि विदेशों से करीब 130.50 करोड़ रुपए की कमाई हुई है। दुनिया भर में फिल्म का कारोबार लगभग 572.45 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर के किरदार में परिवार को बचाने के लिए पुलिस और कानून की चुनौतियों का सामना करते नजर आते हैं।

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की स्पाई-कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' ने तीसरे दिन करीब 8.10 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म का



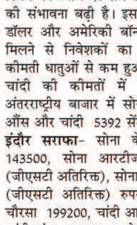
घरेलू कारोबार तीन दिनों में 19.45 करोड़ रुपए हो गया है। दुनिया भर में इसकी कमाई लगभग 27.58 करोड़ रुपए बताई जा रही है। फिल्म में जासूसी, हास्य और देशभक्ति का मेल देखने को मिलता है।

'नई नवेली' ने दसवें दिन करीब 95 लाख रुपए कमाए। इसका घरेलू कारोबार 24.60 करोड़ और दुनिया भर में कुल कमाई 32.31 करोड़ रुपए बताई गई है। वहीं उज्वल निकम के जीवन पर आधारित फिल्म 'प्रहार' ने दसवें दिन 1.20 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म का घरेलू कारोबार 20.10 करोड़ और दुनिया भर में कुल कारोबार 26.78 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

व्यापार

चांदी 54 फीसदी टूटी, कीमतों में भारी गिरावट

इंदौर। साल 2026 में चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। घरेलू बाजार में चांदी 29 जनवरी के रिकॉर्ड भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलो से गिरकर 1,99200 रुपये प्रति किलो पर आ गई। इस तरह 267 दिनों में कीमत करीब 54 फीसदी घट गई। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी की औद्योगिक मांग कमजोर होने, सोलर पैनल उद्योग में खपत घटने और महंगी चांदी की जगह तांबे जैसे सस्ते विकल्प अपनाने से कीमतों पर दबाव बढ़ा है। अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और महंगाई की आशंका से भी बाजार प्रभावित हुआ है। इसके चलते अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रहने की संभावना बढ़ी है। इसके अलावा, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड पर ज्यादा ब्याज मिलने से निवेशकों का रुझान चांदी जैसी कीमती धातुओं से कम हुआ है। इन कारणों से चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3997डॉलर प्रति औंस और चांदी 5392 सेंट पर है।



इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 143500, सोना आरटीजीएस में 140700 (जीएसटी अतिरिक्त), सोना 22 कैरेट 128950 (जीएसटी अतिरिक्त) रुपये प्रति दस, चांदी चौरसा 199200, चांदी आरटीजीएस 194700, चांदी टंच 199800 रुपये प्रति किलो, चांदी सिक्का 2450 रुपये प्रति नग।

उत्पादन घटने की आशंका से मक्का के भाव मजबूत रहने के आसार

इंदौर। मक्का की कम बुआई और महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में सूखे के कारण इस साल खरीफ मक्का का उत्पादन 16.75 प्रतिशत घटकर 232.09 लाख टन रहने का अनुमान है। वहीं, बुआई का क्षेत्र 9 प्रतिशत घटकर 89.06 लाख हेक्टेयर रह गया है। दूसरी ओर, पशु आहार, मुर्गी दाना, स्टार्च और एथनॉल उद्योग में मक्का की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इससे आने वाले समय में मक्का के भाव मजबूत रह सकते हैं और कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर रहने की संभावना है। महाराष्ट्र में मक्का उत्पादन 24.22 प्रतिशत और कर्नाटक में 33.37 प्रतिशत घट सकता है। सोयाबीन उत्पादन में भी गिरावट का अनुमान है। मक्का के एमएसपी में केवल 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, एथनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और रबी फसल को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण मक्का के भाव में तेजी आने की संभावना है।

दलहन- इंदौर चना काँटा 7400-7450 विशाल 7250-7350 डंकी चना 6300-6700 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 9400-9700 महाराष्ट्र लाल 9800-10000 कर्नाटक 10000-10100 निमारी तुवर 7700-9200 मूंग बेस्ट गर्मी 8200-8400 मूंग बेस्ट बोल्ड 8400-8600 मोगर 5500 - 7500 उड़द बोल्ड 9500-9700 उड़द गर्मी 9000-9400 ग्रेविटी क्लीन 9700-10100 उड़द मीडियम 6000-8500 हल्का 4000-6000 काबुली डॉलर 9500-10500 काबुली रशियन 7600-7800 बिटकी 7100-7300 रुपए क्विंटल।

दालें- चना दाल 8800-8900, मीडियम 9100-9300, बेस्ट 9700-9900, मसूर 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मूंग दाल 9800-9900, बेस्ट 10000-10100 मूंग मोगर 11800-11900, बेस्ट 12200-12100, तुवर दाल 9400-9500, मीडियम 10300-10400, बेस्ट 12400-12700, ए.बेस्ट 13600-13800, बांडेड तुवर दाल 15200, उड़द दाल 11200-11300, बेस्ट 11400-11500, उड़द मोगर 11800-12000 बेस्ट 12100-12300, रुपये प्रति क्विंटल।

अनाज- गेहू मिल क्वालिटी 2925-3000, मालवराज गेहूं 3050-3150, लोकवन 3100-3400 पूर्णा 3100-3400, मक्का 2550-2600 रुपए क्विंटल।

इंदौर चावल- बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रु. क्विंटल।

ऊंचे भाव पर हल्दी की मांग घटी, कीमतों में आ सकती है गिरावट

इंदौर। हल्दी के भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से बाजार में मांग कमजोर पड़ गई है। घरेलू मांग के साथ निर्यात मांग में भी कमी आई है। ऐसे में आने वाले दिनों में हल्दी के भाव घट सकते हैं, हालांकि कम स्टॉक और नई फसल आने में समय होने के कारण बड़ी गिरावट की संभावना कम है। इस साल हल्दी की बुआई का क्षेत्र 30 से 35 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन बारिश की कमी से फसल को नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। महाराष्ट्र के हिंगोली, नांदेड और बसमत के अलावा तमिलनाडु के इरोड तथा तेलंगाना के निजामाबाद क्षेत्र में भी पानी की कमी से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। देश के कुल हल्दी उत्पादन में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 40 से 45 प्रतिशत है। अनुमान है कि वर्ष 2025 में देश में हल्दी का उत्पादन 90 से 95 लाख बोरी था, जो 2026 में घटकर 80 से 85 लाख बोरी रह गया। मौसम की स्थिति ऐसी ही बनी रही तो लगातार दूसरे साल उत्पादन कम रह सकता है। कम आवक और वायदा बाजार में तेजी के कारण हल्दी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। दिल्ली बाजार में सिंगल पॉलिश गट्ठा हल्दी का भाव 227 से 228 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इरोड में भाव 200 से 205 रुपये और निजामाबाद में 190 से 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

शक्कर- शक्कर 5130-5250, गुड़ भैली 5600-5700, लड्डू 6500, बरफी 7000, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 6000-6200 रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल- नारियल 120 भरती 3200, 160 भरती 3400, 200 भरती 3700, 250 भरती 4500 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 330-380, कट्टे में 315-20 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 3050-5750 रु. प्रति 15 किलो।

मसाले- कालीमिर्च 755 से 760, मिनिमटर 775 से 785, मटरदाना 800 से 900, हल्दी निजामाबाद 230 से 250, हल्दी सांगली 310-320, जीरा 240 से 245, मीडियम 250 से 285, बेस्ट 310, सौंफ मोटी 150 से 200, बेस्ट 250 से 275, एक्सट्रा बेस्ट 350 से 400, बारीक 225 से 325 , लौंग चालू 760 से 800, बेस्ट 820 से 850, दालचीनी 250 से 255, बेस्ट 260 से 270, जायफल 750 से 800 जावत्री 1850 से 2000, बेस्ट 2300 से 2350, बड़ी इलायची 1350 से 1450, बेस्ट 1550 से 1650, पत्थरफूल 325 से 450, बेस्ट 500 से 550, बाद्यान फूल 425 से 450, बेस्ट 525 से 550, शाहजीरा खर 350, ग्रीन 950 से 1100, तेजपान 95 से 110, , नागकेसर 975 से 1050, सौंठ 325 से 375, , धोली मूसली 1250 से 1300, हींग 751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3350, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3150, पावडर 850 से 900, हरी इलायची 3000 से 3200, मीडियम 3400 से 3600 बेस्ट 3800 से 4200, एक्सट्रा बेस्ट 4400 से 4500 और पानबार 3000-3200 रुपये।

सोयाबीन में तेजी नहीं

इंदौर। प्लांटों की मांग कमजोर होने से कोटा में सोयाबीन के भाव 7000-7100 रु. क्विंटल पर सुस्त रहे। उठाव ना होने से सोयाबीन की कीमत पूर्व स्तर पर दबी रही। देश की मंडियों में सरसों की आवक 2 लाख बोरी के लगभग होने एवं तेल मिलों की मांग बढ़ने से सरसो के भाव 8950-9000 रुपए प्रति क्विंटल पर टिके रहे। जयपुर मंडी में सरसों भाव 8900 रूपए प्रति क्विंटल बोले गए। आपूर्ति व मांग को देखते हुए भविष्य में इसमें अधिक घटबढ़ की संभावना नहीं है। सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 413 रुपये बढ़ाकर 6,613 रुपये प्रति क्विंटल किया है।

व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, किसान गेहूं और मक्का की जगह सरसों तथा चने की बुआई बढ़ा सकते हैं। हालांकि, शुरूआत में सरसों की बुआई की रफ्तार धीमी है, लेकिन आगे इसमें तेजी आने की संभावना है। सरकारी एजेंसियों के पास सरसों का स्टॉक भी कम है। ऐसे में ऊंचे भाव बने रहने पर अगले सीजन में सरकारी खरीद चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1820-1840, मुंबई मूंगफली तेल 1820, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1435-40, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1370-75, इंदौर पाम तेल 1500, मुंबई सोया रिफाइंड 1485 मुंबई पाम तेल 1435 राजकोट तेलिया 2840, गुजरात लूज 1775, कपास्या तेल इंदौर 1505 रुपये प्रति दस किलो।





रावतपुरा सरकार का 'एक करोड़ अर्चन' कार्यक्रम लाल परेड पर लगा श्रद्धालुओं का जमावड़ा

भोपाल आरएचएम। शरद पूर्णिमा के मौके पर रावतपुरा सरकार का 'एक करोड़ अर्चन' कार्यक्रम सोमवार को शुरू हो गया। इसके लिए लाल परेड ग्राउंड में हजारों श्रद्धालु जुटे। शाम 6 बजे यह अनुष्ठान प्रारंभ हो गया। श्री राजराजेश्वरी कोटि हरिद्रा कुमकुम अर्चन कार्यक्रम के लिए 20 हजार कलश और उनके ऊपर दीपक लगाए गए हैं। मां राजराजेश्वरी को अर्पित इसअनुष्ठान में करीब 238 सामग्रियों का उपयोग किया गया। पूजन एवं हवन सामग्री अलग-अलग राज्यों के साथ ही खासतौर पर नेपाल से भी मंगवाई गई हैं। कार्यक्रम में प्रदेश के कई मंत्री, बीजेपी-कांग्रेस के अनेक राजनेता भी पहुंचे। इनमें डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल और गोविंद सिंह राजपूत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, महापौर मालती राय आदि शामिल हैं। मां राजराजेश्वरी के एक करोड़ अर्चन के भव्य कार्यक्रम से सभी अभिभूत हो गए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि यहां का दृश्य अद्भुत और अकल्पनीय है। जीवन में पहली बार ऐसा मनोहर और विशाल आयोजन देखा है। भोपाल महापौर मालती राय ने कहा कि भोपाल के लोगों को मां राजराजेश्वरी का आशीर्वाद मिलने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में करीब 25 हजार श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। करीब 100 बसें, 4 हजार कारें और 8 हजार दोपहिया वाहन रखने की व्यवस्था की गई है।

7 चौराहों पर ट्रैफिक डायवर्ट : शाम 6 बजे से शुरु होनेवाले मां श्री राजराजेश्वरी कोटि हरिद्रा कुमकुम अर्चन कार्यक्रम के लिए दोपहर 3 बजे से ही लाल परेड मैदान और आसपास के रास्तों पर यातायात को डायवर्ट कर दिया गया था। एमपी नगर और हबीबगंज से वीआईपी रोड, पॉलिटेक्निक और एयरपोर्ट जाने वाले वाहन लिंक रोड नंबर-1, रोशनपुरा, बाणगंगा और पॉलिटेक्निक होकर जा सकेंगे। हमीदिया रोड से रोशनपुरा की ओर जाने वाले वाहन संगम तिराहा, बजरिया, 80 फीट रोड, अशोका गार्डन, प्रभात चौराहा, सुभाष ओवरब्रिज, डीबी मॉल और बोर्ड ऑफिस होकर निकलेंगे। संगम टॉकीज तिराहा, भारत टॉकीज चौराहा, लिली तिराहा, जिन्सी चौराहा, एमपी नगर चौराहा, रोशनपुरा और मछली घर क्षेत्र में लगातार ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 और नादरा बस स्टैंड जाने वाले वाहन पॉलिटेक्निक, रेतघाट, रॉयल मार्केट और हमीदिया रोड से जा सकेंगे। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर जाने के लिए सुभाष ओवरब्रिज, प्रभात चौराहा और 80 फीट रोड का रास्ता तय किया गया है। एयरपोर्ट और वीआईपी रोड की ओर वाहन लिंक रोड-1 बाणगंगा से होकर गुजरे।

सारंगपुर पहुंची दिग्विजय की सत्य सनातन यात्रा

भोपाल आरएचएम। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा सोमवार को अपने सातवें दिन शाजापुर से आगे बढ़ते हुए सारंगपुर पहुंची। यात्रा के सारंगपुर नगर में प्रवेश करने पर स्थानीय नागरिकों, सनातन धर्म प्रेमियों और समर्थकों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के बीच लोगों ने दिग्विजय सिंह एवं यात्रा में शामिल साधु-संतों और अन्य सहभागियों का अभिनंदन किया।



इससे पहले यात्रा सुबह शाजापुर के एबी रोड स्थित वाटर पार्क से प्रारंभ हुई। दिग्विजय सिंह साधु-संतों और अन्य यात्रियों के साथ पैदल चलते हुए उकावता बल्डी और कशिश रेस्टोरेंट होते हुए सारंगपुर पहुंचे। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने स्वागत कर अपना समर्थन व्यक्त किया।

यात्रा का प्रमुख उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर दान, चढ़ावे और मंदिरों की संपत्तियों से जुड़ी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। यात्रा के माध्यम से राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे के हिसाब और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई जा रही है।

इससे पहले भारतीय युवा कांग्रेस ने भी सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा को समर्थन देते हुए युवाओं से इसमें शामिल होने की अपील की है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शिवी चौहान स्वयं यात्रा में शामिल हुए।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: शुक्ला

मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

भोपाल आरएचएम। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विभागीय अफसर से साफ शब्दों में कहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं आमजन की प्राथमिकता से जुड़ा विषय है। स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण, उन्नयन, मानव संसाधन की उपलब्धता और चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी संचालन में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लिहाजा स्वीकृति प्राप्त होने के बाद कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए और जहां भी अनावश्यक विलंब पाया जाए, वहां संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा में उन्होंने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास, चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता तथा अस्पतालों के प्रबंधन से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

बैठक में बताया गया कि अनुमोदित 71 स्वास्थ्य संस्थानों में 29 नवीन स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं, जिनके प्रशासनिक अनुमोदन जारी हो चुके हैं। इन संस्थानों के निर्माण के लिए शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। शेष 42 स्वास्थ्य संस्थानों में उन्नयन कार्य किए जाने हैं। इनमें से 22 संस्थानों के उन्नयन का कार्य पीआईयू तथा 20 संस्थानों के उन्नयन का कार्य मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीबीडीसी) द्वारा किया जाना है। शुक्ल ने एम्बुलेंस सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सेवाओं के प्रदर्शन की सघन मॉनिटरिंग की जाए तथा आवश्यक निगरानी व्यवस्था विकसित की जाए, बैठक में प्रदेश के पुराने पांच मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभागों के विकास एवं आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता से संबंधित विषय पर चर्चा की गई।



बैठक में केबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। इनमें समस्त जिला अस्पतालों में नवीन पदों के सृजन से संबंधित प्रस्ताव, सी.सी.एच.यू. के अंतर्गत लगभग 4,000 नवीन पदों की स्वीकृति से संबंधित प्रस्ताव तथा सुषेण योजना के विस्तार का प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त रीवा, ग्वालियर एवं जबलपुर मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन से संबंधित प्रकरणों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव, रश्मि अरुण शमी, आयुक्त श्री धनराजू एस भी उपस्थित थे।

भोपाल में होटल-ढाबों पर खुलेआम परोस रहे शराब, ढाई दर्जन केस बनाए

भोपाल आरएचएम। राजधानी के सीमावर्ती होटल ढाबों पर खुलेआम शराब परोसी जा रही है। आबकारी अमले ने बीती रात दबिश देकर अवैध शराब जब्त की। एक ही रात में ढाई दर्जन से ज्यादा केस बनाए गए। जांच के दौरान 1600 लीटर शराब टंकियों में भरी मिली। सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रीति उइके ने बैरागढ़ क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां भोपाल-इंदौर रोड पर संचालित होटल रौनक, पटेल, दआर्क, किंग्स, वलबक बाना और बिग चिल की जांच की। एमपी नगर क्षेत्र के होटल दिल्ली दरबार, होटल वाइड, होटल एवेन्यू और अरेरा कॉलोनी के कुशीन कल्चर में शरद मिश्रा व उनकी टीम ने कार्रवाई की।

ट्विशा केस में पूर्व जज गिरिबाला की जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

भोपाल आरएचएम। ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। सोमवार को जस्टिस अजय निरंकारी की पीठ के समक्ष गिरिबाला सिंह और सीबीआई के वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई में गिरिबाला के वकीलों ने सीबीआई की चार्जशीट में शामिल तथ्यों का जवाब दिया। 40 बिंदुओं में जवाब पेश किया गया। बता दें कि 12 मई 2026 की रात ट्विशा शर्मा अपने ससुराल में फांसी पर लटकी मिली थी। पुलिस ने मामले में पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह पर एफआईआर दर्ज की थी। दोनों आरोपी अभी जेल में हैं।

उमरा करने गए भोपाल के 90 लोग सऊदी अरब में फंसे

भोपाल। मध्यपूर्व में फिर सैन्य तनाव बढ़ने से निरस्त की गई उड़ानों के कारण हजारों भारतीय सऊदी अरब में फंस गए हैं। इनमें भोपाल के भी 90 लोग शामिल हैं। खानूगांव के अनस खान और उनका परिवार वापसी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने केंद्र सरकार से सभी यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को भोजन पानी की दिक्कत होने लगी है। बताया जा रहा है कि सऊदी अरब में मध्यप्रदेश के 200 से ज्यादा लोग फंसे हैं।

जेपी हॉस्पिटल में बनाया बर्न वार्ड, दीपावली पर आतिशबाजी से जलने वालों का होगा इलाज



भोपाल आरएचएम। राजधानी के जयप्रकाश (जेपी) हॉस्पिटल में बर्न वार्ड तैयार किया गया है। दीवाली पर आतिशबाजी से जलनेवालों की सुविधा के लिए यह विशेष वार्ड बनाया गया है। यहां 5 बिस्तर लगाए गए हैं। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि यहां सांस से पीड़ित मरीजों को भी भर्ती किया जाएगा। सोमवार को उन्होंने वार्ड की तैयारियों का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने अस्पताल का आईसीयू, अस्थि रोग, आकस्मिक चिकित्सा इकाई, जनरल ओपीडी, मेडिसिन, शिशु रोग विभाग, श्वसन रोग विभाग की सेवाओं का भी निरीक्षण किया और जरूरी निर्देश दिए।

शहरों में नई सुविधाओं के लिये बड़ा मंथन कल से

भोपाल आरएचएम। मप्र के शहरों की सूरत बदलने के लिये कल से इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन शुरू होगा। कान्क्लेव में प्रदेश में शहरी विकास, निवेश संवर्धन, आधुनिक नगरीय अधोसंरचना, डिजिटल गवर्नेंस, किफायती आवास और जल सुरक्षा से जुड़ी संभावनाओं पर मंथन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 प्रदेश के शहरों को आधुनिक, सुविधायुक्त और निवेश के लिए अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच होगा। कॉन्क्लेव 2.0 के माध्यम से नगरीय विकास से जुड़ी परियोजनाओं, नीतिगत पहलों और नवाचार आधारित समाधानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही शहरी अधोसंरचना के विकास में निवेशकों और विकास साझेदारों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा।



सिंघार पहुंचे देवास, जहरीली शराब से मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात व मुआवजा

भोपाल आरएचएम। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कल देवास जिले के ग्राम चंदाना पहुँचकर जहरीली शराब से हुई दुखद मौतों के बाद मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

कांग्रेस विधायक दल की ओर से प्रत्येक मृतक के परिवार को 50,000 की सहायता राशि प्रदान की तथा मुख्यमंत्री से बात कर प्रत्येक मृतक के परिवार को 25 लाख की आर्थिक सहायता देने और इस गंभीर घटना के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की माँग की।

देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों से एमओयू करने की तैयारी

आईआईटी,आईआरसीटीसी के साथ शैक्षणिक सहयोग का विस्तार

भोपाल आरएचएम। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों को रोजगारोंमुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग एक बड़ी पहल करते हुए आज देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ एमओयू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम विभागीय मंत्री इन्दर सिंह परमार की उपस्थिति में वल्लभ भवन में होगा। समारोह में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा सहित सहभागी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। इस पहल के माध्यम से देश के अग्रणी संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन तथा हार्टफुलनेस संस्थान के साथ शैक्षणिक साझेदारी बढ़ेगी। इन समझौतों के माध्यम से प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को विश्वस्तरीय संस्थानों की विशेषज्ञता और संसाधनों का सीधा लाभ मिलेगा। एमओयू का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बदलती आवश्यकताओं और तकनीकी परिदृश्य के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को दक्ष बनाना है।



हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष तिवारी से झूमाझटकी, मुंह पर पोती स्याही

जातिसूचक शब्दों से भन्नाए लोग

भोपाल आरएचएम। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के साथ सोमवार को झूमाझटकी की गई। कुछ लोगों ने उनके मुंह पर स्याही भी पोत दी। बताया जाता है कि चंद्रशेखर तिवारी ने सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया था जिसका विरोध किया गया। विवाद बढ़ने पर उन्होंने माफी भी मांग ली थी। चंद्रशेखर तिवारी ने बाकायदा वीडियो जारी कर अपनी गलती स्वीकार की थी। ताजा मामला इसी घटनाक्रम से जुड़ा बताया गया है। चंद्रशेखर तिवारी ने हमलावरों पर केस दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि गर्दन काटने की धमकी से डरू गा नहीं। घटना के बाद हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने आरोप लगाया कि झूमाझटकी करने वाले युवकों ने खुद को अनुसूचित जाति का बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी भी धमकी से डरेंगे नहीं और सनातन धर्म के लिए काम करते रहेंगे।



भोपाल में आज होगा 'दास्ताने राम' का आयोजन

भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा मंगलवार, 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे संस्कृति भवन, बाणगंगा चौराहा में 'दास्ताने राम' का आयोजन किया जाएगा। मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में होने वाले कार्यक्रम में संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी मुख्य अतिथि होंगे। दिल्ली की प्रख्यात महिला दास्तानगो फौजिया, दास्तानगो रितेश यादव के साथ उर्दू शायरी के कलाम के जरिए श्रीराम के जीवन और आदर्शों को प्रस्तुत करेंगी। अकादमी ने साहित्य एवं संस्कृति प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

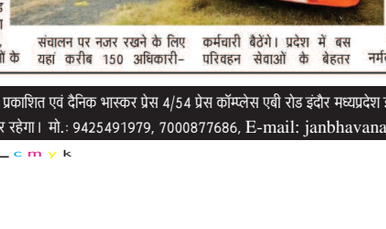
15 हजार बसों का संचालन करने के लिए भोपाल में बनेगा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

एमपीबाईपीआईएल के मुख्यालय से बस संचालन और यात्री सुरक्षा पर रखेंगे नजर

भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संचालन और निगरानी के लिए 7 क्षेत्रीय कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना एवं विस्तार की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रदेश में वर्ष 2030-31 तक 15 हजार बसों के संचालन का लक्ष्य है। इसके लिए मुख्यालय भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी परिसर में स्थापित किया जा रहा है। यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी बनाया जा रहा है। प्रदेशभर में सिटी, इंटरसिटी और इंटरस्टेट बसों के संचालन पर नजर रखने के लिए यहां करीब 150 अधिकारी-कर्मचारी बैठेंगे। प्रदेश में बस परिवहन सेवाओं के बेहतर संचालन और निगरानी के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा जिले में 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालय स्थापित एवं विकसित किए जा रहे हैं।

बीसीएलएल का मुख्यालय आईएसबीटी भोपाल में : भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना आईएसबीटी भवन में की जा रही है। कार्यालय में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से भोपाल के साथ नर्मदापुरम, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, हरदा और बैतूल जिलों में संचालित बसों की निगरानी, सुरक्षा एवं नियंत्रण किया जाएगा।

इंदौर और उज्जैन के कार्यालय जनवरी 2027 तक होंगे तैयार: इंदौर में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के कार्यालय का विस्तार एवं उन्नयन किया जा रहा है। वहीं, उज्जैन में उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के कार्यालय की स्थापना परिवहन कार्यालय, उज्जैन में की जा रही है। दोनों कार्यालयों का कार्य जनवरी 2027 तक पूरा होने की संभावना है।



प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो. : 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com